हिन्दी साप्ताहिक
भारत निविदा लाईन समाचार
पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक:15 ■ नई दिल्ली 17 से 23 जनवरी 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

सोशल मीडिया पॉपुलैरिटी में श्रद्धा नंबर वन

कंफर्ट जोन से बचें, श्रेष्ठता, दक्षता पर फोकस करें युवा: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश के युवाओं का आह्वान किया कि वे विकसित भारत के निर्माण के लिए आरामतलबी से दूर रह कर श्रेष्ठता, परिश्रम एवं दक्षता पर फोकस करके वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हासिल करें।

श्री मोदी ने नेताजी की जयंती पर ओडिशा के कटक में आयोजित पराक्रम दिवस कार्यक्रम को वीडियो लिंक से संबोधित करते हुए कहा कि आज जब हमारा देश विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में जुटा है, तब नेताजी सुभाष के जीवन से हमें निरंतर प्रेरणा मिलती है। नेताजी के जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य था- आजाद हिंद। उन्होंने अपने संकल्प की सिद्धि के लिए अपने फैसले को एक ही कसौटी पर परखा- आजाद हिंद।

प्रधानमंत्री ने कहा, नेताजी एक समृद्ध परिवार में जन्मे, उन्होंने सिविल सर्विसेस की परीक्षा पास की। वो चाहते तो अंग्रेजी शासन में एक वरिष्ठ अधिकारी बनकर आराम की जिंदगी जीते, लेकिन उन्होंने आजादी के लिए कष्टों को चुना, चुनौतियों को चुना, देश विदेश में भटकना पसंद किया, नेता जी सुभाष कंफर्ट जोन के बंधन में नहीं बंधे। इसी तरह आज हम सभी को विकसित भारत के निर्माण के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलना है। हमें खुद को ग्लोबली बेस्ट बनाना है, एक्सीलेंस को चुनना ही है, एफिशिएंसी पर फोकस करना है।

उन्होंने कहा कि नेताजी ने देश की स्वतंत्रता के लिए आजाद हिंद फौज बनाई, इसमें देश के हर क्षेत्र हर वर्ग के वीर और वीरांगनाएं शामिल थीं। सबकी भाषाएं अलग-अलग थीं, लेकिन भावना एक थी देश की आजादी। यही एकजुटता आज विकसित भारत के लिए भी बहुत बड़ी सीख है। तब स्वराज के लिए हमें एक होना था, आज विकसित भारत के लिए हमें एक रहना है।

श्री मोदी कहा, आज देश में विश्व में हर तरफ भारत की प्रगति के लिए अनुकूल माहौल है। दुनिया भारत की ओर देख रही है कि कैसे हम इस 21वीं सदी को भारत की शताब्दी बनाते हैं और ऐसे महत्वपूर्ण कालखंड में हमें नेताजी सुभाष की प्रेरणा से भारत की एकजुटता पर बल देना है। हमें उन लोगों से भी सतर्क रहना है, जो देश को कमजोर करना चाहते हैं, जो देश की एकता को तोड़ना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, नेताजी सुभाष भारत की विरासत पर बहुत गर्व करते थे। वे अक्सर भारत के समृद्ध लोकतांत्रिक इतिहास की चर्चा करते थे और उससे प्रेरणा लेने के लिए समर्थक थे। आज भारत गुलामी की मानसिकता से बाहर निकल रहा है। अपनी विरासत पर गर्व करते हुए विकास कर रहा है। मेरा सौभाग्य है कि आजाद हिंद सरकार के 75 वर्ष पूरे होने पर लाल किले पर मुझे तिरंगा फहराने का मौका मिला था। उस ऐतिहासिक अवसर को मैं कभी भूल नहीं सकता। नेताजी की विरासत से प्रेरणा लेते हुए हमारी सरकार ने 2019 में दिल्ली के लाल किले में नेताजी सुभाष को समर्पित म्यूजियम का निर्माण किया। उसी साल सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार शुरू किए गए। 2021 में सरकार ने निर्णय लिया कि नेताजी की जयंती को अब पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इंडिया गेट के समीप नेताजी की विशाल प्रतिमा लगाना, अंडमान में द्वीप का नाम नेताजी के नाम पर रखना, गणतंत्र दिवस की परेड में आईएनए के जवानों को नमन करना, सरकार की इसी भावना का प्रतीक है।

श्री मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों में देश ने यह भी दिखाया है कि तेज विकास से सामान्य जन का जीवन भी आसान होता है और सैन्य सामर्थ्य भी बढ़ता है। बीते दशक में 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला गया है, यह बहुत बड़ी सफलता है। आज गांव हो या शहर हर तरफ आधुनिक अवसंरचना का निर्माण हो रहा है, साथ ही भारत की सेना की ताकत में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। आज विश्व मंच पर भारत की भूमिका बढ़ रही है, भारत की आवाज बुलंद हो रही है, वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। हमें नेताजी सुभाष की प्रेरणा से एक लक्ष्य एक ध्येय विकसित भारत के लिए निरंतर काम करते रहना है और यही नेताजी को हमारी सच्ची कार्यांजलि होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी के जन्म जयंती के इस पावन अवसर पर पूरा देश श्रद्धापूर्वक उन्हें याद कर रहा है। मैं नेता जी सुभाष बाबू को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। इस वर्ष के पराक्रम दिवस का भव्य उत्सव नेता जी की जन्म भूमि पर हो रहा है।

मोदी ने पराक्रम दिवस पर विद्यार्थियों के साथ बातचीत की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पराक्रम दिवस के अवसर पर गुरूवार को यहां विधार्थियों के साथ विभिन्न विषयों विशेष रूप से विकसित भारत के बारे में बातचीत की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार श्री मोदी ने संसद के केन्द्रीय कक्ष जिसे अब संविधान सदन कहा जाता है में यह संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पराक्रम दिवस , नेताजी के जन्मस्थान और उनके जीवन , देश को विकसित राष्ट्र बनाने , देश में कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए किये जा रहे प्रयासों , इलेक्ट्रिक वाहनों और पी एम सूर्यघर योजना जैसे विषयों पर सवाल किये और इनके बारे में छात्रों के साथ जानकारी साझा की। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि केन्द्र सरकार ने दिल्ली में प्रदूषण कम करने के प्रयासों के तहत राजधानी में 1200 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें दी हैं । उन्होंने कहा कि दिल्ली में बसों के बेड़े में इस तरह की ओर बसें शामिल की जायेंगी और केन्द्र सरकार विभिन्न राज्यों को दस हजार इलेक्ट्रिक बसें प्रदान करेगी।

दिल्ली की दुर्गति करने का सबसे बड़ा अपराधी केजरीवाल : योगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के रण में उतरे। उनकी पहली जनसभा किराड़ी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार बजरंग शुक्ला, दूसरी करोल बाग से दुष्यंत गौतम व तीसरी जनसभा जनकपुरी से प्रत्याशी आशीष सूद के पक्ष में हुई। यहां आम आदमी पार्टी व अरविंद केजरीवाल उनके निशाने पर रहे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में मैंने अपने 54 सदस्यीय मंत्रिमंडल के साथ प्रयागराज में संगम पर स्नान किया, क्या आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल भी अपनी टीम के साथ यमुना जी में स्नान कर सकते हैं। यमुना मैया को गंदे नाले के रूप में बदलने का अपराध करने वाले को जनता-जनार्दन की अदालत में माफी नहीं दी जानी चाहिए। सीएम ने सात-आठ वर्षों में बदले यूपी की भी चर्चा की।

प्रयागराज में 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने अब तक कर लिया संगम स्नान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) से 23 जनवरी तक 10 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम स्नान किया। वहां शानदार सड़कें, बिजली, रेल व हवाई जहाज की बेहतर कनेक्टिविटी है। कहीं गंदगी नहीं मिलेगी। यूपी व केंद्र सरकार ने मिलकर महाकुम्भ के महाआयोजन में 7500 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन इससे यूपी की अर्थव्यवस्था में दो लाख करोड़ से अधिक की वृद्धि होने वाली है। लाखों नौजवानों के लिए रोजगार का सृजन होने वाला है।

दिल्ली की दुर्गति करने का सबसे बड़ा अपराधी अरविंद केजरीवाल नाम का जीव है

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की दुर्गति करने का सबसे बड़ा अपराधी अरविंद केजरीवाल नाम का जीव है। एमडीएमसी के क्षेत्र को छोड़ दें तो शेष दिल्ली में सड़क, सीवर, स्वच्छता व पेयजल की स्थिति बदतर है। पता नहीं चल रहा कि यहां सड़क पर गड्ढा है या गड्ढे में सड़क। कूड़ा, गंदगी का ढेर पड़ा है, सीवर सड़कों पर बह रहा है। पेयजल के भीषण संकट आने पर टैंकर माफिया हावी हो जाते हैं। दिल्ली सरकार के पाप के कारण मथुरा व वृंदावन के संतों-श्रद्धालुओं को दुर्दशा उठानी पड़ती है। जब भी मां यमुना की स्वच्छता की बात आई तो केजरीवाल एंड कंपनी ने सहयोग नहीं दिया।

झूठ बोलने के एटीएम हैं आप के नेता

सीएम योगी ने कहा कि आम आदमी पार्टी सुबह होते ही सोशल मीडिया पर झूठे पोस्ट, झूठी फिल्मों का प्रदर्शन, झूठे वक्तव्य देते हैं। आम आदमी पार्टी व उसके नेता जितना समय झूठ बोलने के एटीएम के रूप में बर्बाद करते हैं, उतना यदि जनसुविधा व विकास के बारे में सोचते तो दस वर्ष में दिल्ली बदल गई होती, लेकिन इन लोगों ने दिल्ली को कूड़ा घर बना दिया है। अरविंद केजरीवाल भाषणों में उत्तर प्रदेश की चर्चा कर रहे हैं, लेकिन उन्हें जानना चाहिए कि लोग उत्तर प्रदेश को अब मॉडल के रूप में देख रहे हैं। दिल्ली में ओखला औद्योगिक क्षेत्र हैं, लेकिन दस वर्ष में यहां उद्योग न के बराबर लगे।

गणतंत्र दिवस : मौसम विभाग की झांकी में 150 वर्षों के योगदान का सफर

नई दिल्ली, एजेंसी। 'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' थीम के अंतर्गत कर्तव्य पथ पर 26 जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस परेड में 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ-साथ केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों की 16 झांकियों समेत कुल 31 झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

खास बात ये है कि इस बार कर्तव्य पथ पर पहली बार मौसम विभाग की झांकी नजर आएगी। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन मौसम विभाग की झांकी इससे पहले कभी भी परेड में शामिल नहीं हुई।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (आईएमडी) की थीम 'आधुनिक विज्ञान चरम मौसम की भविष्यवाणी कर रहा है - जीवन और आजीविका की रक्षा कर रहा है' रखी गई है।

झांकी में भारत मौसम विज्ञान विभाग के 150 वर्षों के योगदान को दशार्या जाएगा, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत समाज और मौसम विज्ञान में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने में सहायक रही है। झांकी का अग्रभाग चक्रवात जागरूकता प्रयासों को प्रदर्शित करता है, जिसमें चक्रवात दाना का प्रभावशाली चित्रण शामिल है, जो समय पर दी गई चेतावनियों की वजह से शून्य जनहानि को रेखांकित करता है।

मध्य भाग में किसानों के लिए उठाए गए कदमों पर जोर दिया गया है, जो यह दिखाता है कि मोबाइल मौसम चेतावनियों ने कृषि में क्रांति लाकर फसल प्रबंधन और आजीविका को कैसे बेहतर बनाया है। झांकी का अंतिम भाग चार प्रमुख समुदायों पर मंत्रालय के प्रभाव को दशार्ता है। मछुआरे, जो समय पर चेतावनियों से खतरनाक समुद्र से बचते हैं। पायलट, जो अद्यतन मौसम जानकारी के साथ सुरक्षित उड़ान भरते हैं। माएं, जो ग्रामीण भारत में अपने बच्चों को चरम मौसम से बचाती हैं और वैज्ञानिक, जो जलवायु परिवर्तन का अध्ययन कर हमारे ग्रह को बेहतर समझने का प्रयास करते हैं।

झांकी में जीवंत पात्र विभिन्न मौसम संबंधी उपकरणों के साथ खड़े होकर, मौसम डेटा को एकत्र और विश्लेषण करने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। यह झांकी, सटीक और समय पर मौसम सेवाओं के माध्यम से जीवन रक्षा, समुदायों को सशक्त बनाने, और लचीलापन विकसित करने में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करती है, जिसमें इनोवेशन और मानव-केंद्रित दृष्टिकोण का समावेश है।

आप का मतलब अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी (आप) और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि आप का मतलब अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी है।

अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के संचार विभाग विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के कार्यालय में गुरुवार को शराब घोटाले को लेकर एक ऑडियो जारी किया और पारदर्शी प्रशासन और भ्रष्टाचार मुक्त स्वच्छ राजनीति करने का वादा करने वालों का हर दिन पदार्फाश हो रहा है। उन्होंने कहा, आप के तत्कालीन शराब मंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा श्री केजरीवाल की सलाह पर शराब घोटाले को कैसे अंजाम देते थे, नरेला से विधायक और वर्तमान में प्रत्याशी शरद चौहान के ऑडियो में पूरा खुलासा हुआ है। आप के मुखिया केजरीवाल और उनके इर्द- गिर्द के लोगों और श्री सिसोदिया की संलिप्तता का ऑडियो में उजागर हुआ है। ऑडियो में साफ सुनाई दे रहा है कि गुजरात, पंजाब और गोवा चुनावों में आप ने शराब की कम्पनियों से पैसा लेकर इस्तेमाल किया और यह भी कहा गया कि अब दिल्ली में पंजाब से पैसा आ रहा है।

कांग्रेस नेता कहा कि सिर्फ आप ही शिक्षा मंत्री को शराब मंत्री बना सकती है। उन्होंने कहा कि जिसका काम शिक्षा बेहतर बनाने का है, अगर वहीं शिक्षित बेरोजगारों को शराब एक के साथ एक मुफ्त बांटने का काम करेगा, तो भावी पीढ़ियां बर्बाद होंगी ही। उन्होंने दिल्ली को बर्बाद करने का काम आप ने किया। उन्होंने कहा कि एक-एक करके इनकी असलियत सबके सामने आ रही हैं, इतिहास में पहली बार हुआ है कि एक ही राज्य के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री दोनों एक ही घोटाले के लिए जेल गए।

उन्होंने कहा कि विश्व स्तरीय शिक्षा मॉडल की बात करने वालों के घोटाले भी वैश्विक हो रहे हैं। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा, चुनावों में हम दिल्ली के हर मुद्दे को जनता तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे है और वर्तमान विधायक तथा नरेला प्रत्याशी शरद चौहान का ऑडियो इनके सामाजिक पतन की कहानी बयां कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऑडियों में उनकी आवाज में पूरा घोटाला उजागर हुआ, ऐसा प्रतीत होता है कि इनके शीर्ष नेतृत्व ने शराब घोटाले को अंजाम देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की शिकायत पर ही मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शराब घोटाले के आरोप में जेल गए। उन्होंने कहा, हम लगातार कह रहे है कि आप ने ईमानदारी का मुखौटा लगाते हुए भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शिता का खोखला वादा किया था। इनकी कथनी और करनी में फर्क साफ नजर आता है।

श्री यादव ने कहा कि श्री केजरीवाल ने अपने लोगों को फायदा पहुंचाने का काम किया। दस सालों में शराब का व्यापार बढ़ा है, जिसके कारण दिल्ली की माता बहनें प्रताड़ित हुई हैं, क्योंकि बेरोजगारी के कारण उनके बच्चे नशे की लत से परेशान है। उन्होंने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) द्वारा 2000 करोड़ रुपये शराब घोटाला सामने आया है, जिसमें दिल्ली के कर दाताओं का पैसे का नुकसान हुआ है। दिल्ली की जनता के सामने इनका असली चेहरा उजागर हो चुका है। उन्होंने कहा, दिल्ली की जनता कांग्रेस को पूर्ण बहुमत की सरकार देने जा रही है, हम दिल्ली को केजरीवाल के भ्रष्टाचार से मुक्त कर देंगे।

चुनाव में फर्जी बातों के प्रति सावधान किया राजीव कुमार ने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने लोकतांत्रिक देशों में चुनाव का प्रबंधन करने वाले निकायों को चुनावी प्रक्रियाओं में विश्वास को खत्म करने वाले फर्जी बातों के प्रति सावधानी बरतने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें चुनाव-की महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं को ही आहत करने के लिए फैलायी जाती हैं।

श्री कुमार ने कहा कि ऐसी फर्जी बातों का मुख्य उद्देश्य चुनाव के मर्मस्थल को बेधना होता है। श्री कुमार गुरुवार को राजधानी में चुनाव प्रबंधन करने वाले राष्ट्रीय निकायों और लांकतांत्रिक चुनाव पद्धतियों के क्षेत्र में काम करने वाले वैश्विक संगठनों के एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, इस तरह के मनगढ़ंत आख्यान सामान्यतः ऐसे समय फैलाए जाते हैं जब चुनाव प्रक्रिया किसी महत्वपूर्ण मोड़ पर होती है। दो दिन का यह सम्मेलन चुनाव प्रबंधन के प्रमुख समकालीन मुद्दों पर चर्चा के लिए आयोजित किया गया है जिसमें भूटान, जॉर्जिया, नामीबिया, उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, आयरलैंड, मॉरीशस, फिलीपींस, रूसी संघ, ट्यूनीशिया और नेपाल सहित 13 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के लगभग 30 प्रतिनिधि इसमें भाग ले रहे हैं।

ह्यवैश्विक चुनाव वर्ष 2024: लोकतांत्रिक स्थानों की पुनरावृत्ति, ईएमबी के लिए सीख विषय पर सम्मेलन का आयोजन ईसीआई द्वारा भारत और अन्य देशों में 2024 में चुनाव आयोजित करने में ईएमबी के विविध अनुभवों के आधार पर किया गया है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपने मुख्य भाषण में श्री कुमार ने दक्षता, पारदर्शिता और मतदाता विश्वास बढ़ाने में प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है, लेकिन यह साइबर सुरक्षा खतरों और गलत सूचना जैसी चुनौतियां भी लाती है।

उन्होंने चुनाव प्रबंध करने वाले निकायों से इन तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतियों को कारगर बनाने का आग्रह किया, ताकि जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि 2024 चुनौतियों और जटिलताओं के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि के लिए ईएमबी के लिए एक निर्णायक वर्ष था।

सम्मेलन में मॉरीशस के चुनाव आयुक्त अब्दुल रहमान मोहम्मद इरफान, भूटान के सीईसी दाशो सोनम तापगे, कजाकिस्तान गणराज्य के अध्यक्ष और सीईसी नूरलान अब्दिरोव, नेपाल के सीईसी दिनेश के. थापलिया, नामीबिया के चुनाव आयोग की अध्यक्ष एल्सी न्धिकेम्बुआ, इंडोनेशिया के आम चुनाव आयोग के आयुक्त इधम होलिक, रूसी संघ की एल्मीरा खैमुरज़िना, श्रीलंका की अनुसूया शानमुगनाथन, ट्यूनीशिया की नजला अब्रूगी और उज्बेकिस्तान के बखरोम कुचकारोव तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि जैसे कि इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के अध्यक्ष एवं सीईओ एंथनी नाथन बैनबरी और ए-वेब तथा इंटरनेशनल आईडीईए के महासचिव इन-सिक-जंग सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

सम्मेलन के पहले दिन उज्बेकिस्तान, श्रीलंका, मॉरीशस, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान के चुनाव प्रबंधन निकायों ने 2024 में अपने चुनावी अनुभव पर प्रस्तुतियाँ दीं और सोशल मीडिया पर गलत सूचना, गलत सूचना और फर्जी आख्यानों के बारे में अपनी चिंताएँ रखीं, जो लाइव चुनावों में चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करते हैं। मॉरीशस के सी.ई.सी. अब्दुल रहमान ने ई.एम.बी. में मतदाताओं के विश्वास को कम करने के लिए फर्जी खबरों के खतरे पर भी जोर दिया। चुनाव कर्मचारियों की भर्ती के लिए फर्जी ऑनलाइन आवेदनों के एक विशेष मामले पर प्रकाश डालते हुए, श्री रहमान ने चुनावों के दौरान गलत सूचना और भ्रामक सूचनाओं के खतरे को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के उपयोग पर चिंता व्यक्त की।

नामीबिया के चुनाव आयोग के एक प्रतिनिधि ने फर्जी खबरों के बढ़ते चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों से निपटने के लिए सुझाव मांगे।

इंडोनेशिया के आम चुनाव आयोग के आयुक्त इधान होलिक ने वास्तविक समय में गलत सूचनाओं से निपटने के लिए एक समर्पित व्हाट्सएप चैनल का उपयोग करने के अपने अनुभव के बारे में बताया।

भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने एआई-संचालित प्रक्रियाओं, ऑनलाइन और दूरस्थ मतदान, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और वैश्विक सहयोग में वृद्धि सहित चुनावों के भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख रुझानों को भी रेखांकित किया और सभी प्रतिभागियों से चुनावों को अधिक पारदर्शी, समावेशी और सुलभ बनाने में तकनीकी प्रगति के साथ अवसरों का पता लगाने का आह्वान किया।

वक्फ बिल की जेपीसी बैठक में हंगामे के बाद 10 विपक्षी सांसद निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक के दौरान हंगामे के बाद शुक्रवार को 10 विपक्षी सांसदों को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया।

निलंबित सांसदों में कल्याण बनर्जी, मोहम्मद जावेद, ए राजा, असदुद्दीन ओवैसी, नासिर हुसैन, मोहिबुल्लाह, एम अब्दुल्ला, अरविंद सावंत, नदीमुल हक और इमरान मसूद शामिल हैं। आपको बता दें कि इन सांसदों को समिति से नहीं, केवल आज की बैठक से निलंबित किया गया है।

विपक्ष का विरोध इस बात को लेकर है कि 27 जनवरी को क्लॉज बाई क्लॉज चर्चा करने का प्रस्ताव उनके अनुसार सही नहीं है। आपको बता दें कि वक्फ (संशोधन) विधेयक पर गठित संसदीय समिति 24 और 25 जनवरी को प्रस्तावित कानून पर क्लॉज बाई क्लॉज विचार करने वाली है। जेपीसी की बैठक में दोनों पक्षों के बीच हंगामा इस हद तक बढ़ गया कि मार्शल को बुलाने की नौबत आ गई।

मिली जानकारी के मुताबिक जेपीसी की बैठक के दौरान टीएमसी के कल्याण बनर्जी और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इसके बाद जेपीसी की बैठक 27 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

बैठक के बाद टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर विपक्ष की बात न सुनने और कार्यवाही को मनमाने तरीके से चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हमने बार-बार 30, 31 जनवरी को बैठक आयोजित करने का अनुरोध किया, लेकिन हमारी मांग नहीं सुनी गई। जब हम कल रात दिल्ली पहुंचे, बैठक का विषय बदल दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, "विपक्ष और खासकर ओवैसी जी का मानना था कि जम्मू-कश्मीर का पूरा प्रतिनिधित्व नहीं सुना गया और चुने हुए प्रतिनिधियों को बुलाया जाना चाहिए था।

मीरवाइज की बात सुनने के लिए जेपीसी अध्यक्ष ने क्लॉज बाई क्लॉज चर्चा करने के लिए बैठक स्थगित कर दी। आज विपक्ष की सोच उजागर हो गया है। यह संसदीय लोकतंत्र के खिलाफ है। विपक्ष बहुमत की आवाज का गला घोंटना चाहता है। अधिकतम सदस्यों ने 27 जनवरी को बैठक करने का सुझाव दिया है।

दिल्ली फतह को केजरीवाल का प्लान, पंजाब की महिला नेताओं को सौंपी जिम्मेदारी

घर-घर जाकर मांग रहीं वोट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सत्ता पर दोबारा काबिज होने के लिए आम आदमी पार्टी पूरा जोर लगा रही है। रोड शो, पदयात्रा, जनसभाओं से लेकर पार्टी सुप्रीमो तकरीबन रोजाना जनता से नए-नए वादे कर रहे हैं। अब पार्टी ने जीत सुनिश्चित करने के लिए एक और दांव चला है। आप ने न केवल पंजाब के अपने शीर्ष नेतृत्व को तैनात किया है, बल्कि राज्य की महिला नेताओं को भी व्यापक रूप से प्रचार करने और राजधानी में महिला मतदाताओं से जुड़ने का काम सौंपा है।

पंजाब के 300 से ज्यादा नेता, जिनमें मुख्यमंत्री भगवंत मान, कैबिनेट मंत्री, विधायक, बोर्ड अध्यक्ष और वॉलंटियर शामिल हैं, दिल्ली में सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं। इनमें कम से कम 11 महिला विधायक और अन्य महिला पदाधिकारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर भी प्रचार अभियान में शामिल हैं।

बुधवार को डॉ. गुरप्रीत कौर रोहिणी में पार्टी उम्मीदवार प्रदीप मित्तल के लिए प्रचार करती नजर आईं।

लुधियाना में आप की महिला विंग की जिला सचिव निक्की कोहली, भी गुरप्रीत के साथ थीं। उन्होंने एक्स पर लिखा, रोहिणी की महिला वॉलंटियर डॉ. गुरप्रीत कौर मान से मिलकर और उनके साथ सोसाइटियों में घर-घर जाकर काम करने के लिए उत्साहित थीं। इन सोसाइटियों में प्रवेश करना आसान काम नहीं था। आज सभी दरवाजे खुले थे और सभी मंजिलों से लोग आम आदमी पार्टी और पार्टी सुप्रीमो श्री अरविंद केजरीवाल जी के लिए अपना समर्थन दिखाने आए।

अमृतसर (पूर्व) की विधायक जीवन ज्योत कौर ने अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ नई दिल्ली विधानसभा में प्रचार किया। इंडियन एक्सप्रेस से अपना अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा, हम महिला प्रचारकों के तौर पर घर-घर जाकर, खास तौर पर महिला मतदाताओं से जुड़ रही हैं। मुझे अमृतसर में मेयर चुनाव की देखरेख के लिए कुछ समय के लिए पंजाब लौटना पड़ा, लेकिन जल्द मैं फिर से दिल्ली में प्रचार शुरू करूंगी। पार्टी ने सभी विधायकों और मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे पंजाब और दिल्ली दोनों जगहों पर अपनी जिम्मेदारियां संभालें, ताकि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में काम जारी रहे।

कौर ने कहा कि उन्होंने अपने प्रचार अभियान के दौरान पंजाब और दिल्ली में आप की उपलब्धियों को उजागर किया। उन्होंने कहा, मैं मतदाताओं को आप की परिवर्तन की राजनीति के बारे में बता रही हूं। लोग केजरीवाल की सरकार को फिर से चाहते हैं क्योंकि वे हमारे द्वारा किए गए काम से खुश हैं। रोहतास नगर में सरिता सिंह के लिए प्रचार कर रही नकोदर की विधायक इंद्रजीत कौर मान ने कहा कि वह समर्थन जुटाने के लिए छोटी-छोटी जनसभाएं कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं मतदाताओं को बता रही हूं कि आप ही एकमात्र पार्टी है जो दिल्ली की मदद कर सकती है और केजरीवाल की सरकार ने पहले ही महत्वपूर्ण काम किए हैं।

केजरीवाल की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे मोदी-शाह, पंजाब पुलिस की सुरक्षा हटाने पर भड़कीं आतिशी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पंजाब पुलिस की सुरक्षा हटा ली गई है। इसकी मुख्यमंत्री आतिशी ने निंदा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर आप मुखिया की जिंदगी से खेलने का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते हुए आतिशी ने राष्ट्रीय पार्टी के नेता पर बार-बार हमले के बावजूद चुनाव आयोग द्वारा मूकदर्शक बने रहने पर सवाल उठाया। आप नेता ने एक्स पर लिखा, शर्मनाक! अमित शाह जी के इशारों पर दिल्ली पुलिस ने आज जबरन अरविंद केजरीवाल जी की पंजाब पुलिस सुरक्षा हटवा दी। और उसी दिन हरिनगर में भाजपा के गुंडों ने केजरीवाल जी पर हमला कर दिया। क्या मोदी-शाह केजरीवाल जी की जान से खिलवाड़ करना चाहते हैं चुनाव आयोग कब तक मूकदर्शक बना रहेगा एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता पर बार-बार हो रहे हमले पर चुप्पी क्यों सुरक्षा हटाए जाने पर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने गुरुवार को कहा कि भारत के चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस के निर्देश के बाद, उन्होंने अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में तैनात पंजाब पुलिस के कर्मियों को वापस ले लिया है। डीजीपी यादव ने बताया, हमें पंजाब के सीएम भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल को धमकियों के बारे में रिपोर्ट मिलती रहती हैं और हम उन्हें संबंधित एजेंसियों के साथ साझा करते हैं। भारत के चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस के निर्देश के बाद, हमने अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा के लिए तैनात पंजाब पुलिस के कर्मियों को वापस ले लिया है। अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि विपक्षी उम्मीदवार के कुछ लोग हरि नगर में उनकी जनसभा में घुस आए और उनकी कार पर हमला किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, आज हरि नगर में विपक्षी उम्मीदवार के लोगों को पुलिस ने मेरी जनसभा में घुसने दिया और फिर मेरी गाड़ी पर हमला करवाया। ये सब अमित शाह जी के आदेश पर हो रहा है। अमित शाह जी ने दिल्ली पुलिस को बीजेपी की निजी आर्मी बना दिया है। चुनाव आयोग पर बड़े सवाल उठ रहे हैं कि एक राष्ट्रीय पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उसके नेताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मैं योगी जी की बात से सहमत, अरविंद केजरीवाल ने की यूपी सीएम की तारीफ

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि कल सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर जो भी कहा, मैं उससे बिल्कुल सहमत हूं। उन्होंने कहा दिल्ली की जनता भी इस मुद्दे से बिल्कुल सहमत है। उन्होंने कल बहुत अच्छा मुद्दा उठाया। इसी के साथ उन्होंने सीएम योगी से खास अपील भी की है। उन्होंने कहा है कि वह अमित शाह को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर गाइड करें और उन्हें बैठाकर समझाएं। दरअसल कल सीएम योगी आदित्यनाथ मे दिल्ली में चुनाव के मद्देनजर रैली की थी और आम आदमी पार्टी पर जमकर निशाना भी साधा था। अब उनकी रैली के बाद अरविंद केजरीवाल की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा, कल सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुद्दा उठाया कि दिल्ली में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। मैं उनकी बात से 100 फीसदी सहमत हूं। अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली के अंदर खुलेआम गैंगस्टर घूम रहे हैं। बड़े-बड़े गैंगस्टर्स के 11 ग्रुप हैं जिन्होंने पूरी दिल्ली को 11 हिस्सों में बांट लिया है। बड़े-बड़े व्यापारियों के पास फोन आ रहे हैं कि 3 करोड़ दे दो 4 करोड़ दे दो वरना पूरे परिवार को खत्म कर देंगे।

दूरदर्शन और आकाशवाणी से भी प्रचार, 6 पार्टियां करेंगी जनता की बात

नईदिल्ली, एजेंसी। जनसभा, पदयात्रा, रोड शो और सोशल मीडिया के साथ-साथ छह राजनीतिक दल दूरदर्शन और आकाशवाणी पर भी जनता से रूबरू होकर चुनाव प्रचार कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा। निर्वाचन आयोग ने दिल्ली में पंजीकृत छह दलों को इन दोनों प्लेटफॉर्म पर अपने चुनावी मुद्दों को प्रसारित करने के लिए तीन दिन तक प्रतिदिन 45-45 मिनट का समय दिया है। 31 जनवरी से लेकर दो फरवरी तक इन दलों को एक बार में 15-15 मिनट के स्लॉट दिए गए हैं। दलों को दिनभर में तीन स्लॉट मिलेंगे। प्राइम टाइम स्लॉट पाने के लिए सभी दलों ने आवेदन किए थे, ऐसे में लकी ड्रॉ के माध्यम से यह टाइम स्लॉट तय किया गया है। भाजपा, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, सीपीआई (एम), बीएसपी और एनपीपी (नेशनल पीपल्स पार्टी) की ओर से आवेदन किए गए, लेकिन प्राइम टाइम का स्लॉट सभी दलों की ओर से मांगा गया था। इसकी वजह से प्रसारण समय आवंटित करने के लिए बुधवार को ऑल इंडिया रेडियो के रंग भवन में लकी ड्रॉ किया गया।

1 फरवरी से शुरू होगा विश्व पुस्तक मेला, लेखकों को मिलेगा अलग कोना

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी में एक फरवरी से शुरू होने वाले विश्व पुस्तक मेला का इस बार बड़े स्तर पर आयोजन होगा। इसमें प्रकाशकों, स्टॉल और हॉल की संख्या अधिक होगी। दर्शक रूसी साहित्य के बारे में भी जान सकेंगे। मेले में इस बार लेखकों के लिए अगल से कोने भी बनाए गए हैं। नौ फरवरी तक चलने वाले मेले में विश्व की सर्वश्रेष्ठ पुस्तकों के साथ साहित्य, संस्कृति और उत्सव का जश्न मनाया जाएगा। नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि भारत मंडपम (प्रगति मैदान) के हॉल संख्या-6 में इसका आयोजन होगा। पहली बार एयरपोर्ट की तर्ज पर विशेष रूप से आथर्स लाउंज बनाया गया है, जहां पर मेले में आने वाले रजिस्टर्ड लेखक बैठ सकें। इसके अलावा चित्रकारों का कोना भी बनाया गया है, जहां पर प्रकाशन में कला एवं व्यंग्यात्मक कार्टून के कार्यों की प्रदर्शनी होगी। इस बार तीन हजार से अधिक स्टॉल लगेंगे। इस वर्ष मेले की थीम वक्तव्य, हम भारत के लोग.. भारतीय संविधान की प्रस्तावना के प्रारंभिक शब्द हैं। थीम पविलियन गणतंत्र भारत के 75 वर्षों (1950 से 2025) के उत्सव को विशिष्ट रूप से दर्शाएगा। मेले का आयोजन प्रतिदिन सुबह 11 से रात 8 बजे के बीच होगा। मेले का टिकट 20 रुपये का है। बच्चों के लिए यह 10 रुपये है।

तुम पर लोग चप्पल बरसाएंगे; अरविंद केजरीवाल पर बहुत गरम हो गए ओवैसी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में दो सीटों पर लड़ रही ऑल इंडिया मजलिए-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार रात ओखला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल बेहद पर बेहद तीखे हमले किए। उन्होंने अरविंद केजरीवाल को ओखला की गलियों में आने की चुनौती देते हुए यहां तक कह दिया कि उन पर लोग चप्पलें बरसाएंगे।

ओवैसी ओखला सीट से लड़ रहे दिल्ली के दंगे के आरोपी शिफा-उर-रहमान के लिए प्रचार करने पहुंचे थे। उन्होंने इस दौरान ओखला की बदहाली के लिए केजरीवाल को खूब कोसा। उन्होंने कहा कि उन्होंने यहां की गलियों की बदहाली देखी है और अरविंद केजरीवाल को भी ऐसा करना चाहिए। ओवैसी ने कहा, यहां विकास क्यों नहीं हुआ। 10 साल से केजरीवाल मुख्यमंत्री है, सब जगह डिवेलपमेंट हो रहे हैं। आज गलियों में मैं पैदल चला तुम 10 मिनट चलकर दिखाओ। मुझ पर तो फूल

बरसाए गए तुम पर चप्पलें बरसाएगी आवाम यहां की। इतने खड्डे यहां पर है, गंदगी है, ना सफाई का कोई इंतजाम है। 10 साल से बाजा बजा रहे हैं।

ओवैसी ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता लोगों को यह डर दिखा रहे हैं कि बीजेपी जीत जाएगी, लेकिन ओखला से लगातार अल्पसंख्यक उम्मीदवार ही जीतते रहे हैं और इस बार शिफा विजयी होंगे। ओवैसी ने कहा, ओखला की वोटर लिस्ट तुम्हारे मुंह पर फेंककर कह रहा हूं कि यहां से शिफा ही जीतेगा। तुम डराओ मत कि बीजेपी जीत जाएगी। मुझे मालूम है कि तुम्हारे मन में डर पैदा हो गया है। तुमको नजर आ रही है तुम्हारी नाकामी। लोग बोल रहे हैं और मैंने खुद देखा है। 5 साल पहले भी यहां आया था। ओखला में कोई विकास तरक्की नजर नहीं आती। केजरीवाल मैं तुझे चैलेंज कर रहा हूं सुबह 9 बजे आ जा। मैं भी आता हूं। तुमको एक आवाज सुनाई देगी, पानी ले लो। पहली मंजिल पर 25 रुपए दूसरी पर 30 रुपए। अरे मफलर कितना झूठ बोलेगा तू बिजली फ्री कर दिया, पानी फ्री कर दिया। मोदी जी भी कह रहे हैं कि फ्री लो।

मर्द भी कानूनी सुरक्षा के उपायों के उतने ही हकदार जितनी औरतें : दिल्ली हाईकोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महिला की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए काफी सख्त टिप्पणी की। महिला ने खौलते पानी में मिर्च पाउडर मिलाकर उसे अपने पति के उपर फेंक दिया था। कोर्ट ने कहा कि भले ही अपराधी पुरुष हो या महिला, हर व्यक्ति का जीवन और सम्मान एकसमान रूप से कीमती है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि लैंगिक तटस्थता निष्पक्ष न्याय प्रणाली की पहचान है। गंभीर शारीरिक चोट पहुंचाने वाले अपराधों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए, चाहे अपराधी पुरुष हो या महिला। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने अपने पति को मिर्च पाउडर मिले उबलते पानी से जलाने की आरोपी महिला की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने ने घरेलू रिश्तों में पुरुषों के पीड़ित न होने की धारणा को खारिज कर दिया। कहा कि एक लिंग का सशक्तिकरण दूसरे के प्रति अन्याय की कीमत पर नहीं हो सकता है। पुरुष भी समान कानूनी सुरक्षा उपायों के हकदार हैं। कोर्ट ने 22 जनवरी को अपने फैसले में कहा कि जो पुरुष अपनी पत्नियों के हाथों हिंसा का शिकार होते हैं, उन्हें अक्सर अनोखी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसमें सामाजिक अविश्वास और पीड़ित के रूप में देखे जाने से जुड़ा कलंक भी शामिल है। इस तरह की रूढ़िवादिता इस गलत धारणा को कायम रखती है कि पुरुष घरेलू रिश्तों में हिंसा नहीं सह सकते। कोर्ट ने लिंग के आधार पर उदारता दिखाने की महिला की याचिका को खारिज कर दिया। कहा कि एक लिंग के लिए उदारता की एक विशेष श्रेणी

बनाने से जीवन को खतरे में डालने वाली शारीरिक चोटों के मामलों में न्याय के मूलभूत सिद्धांत नष्ट हो जाएंगे। गिरफ्तारी से पहले जमानत देने से इनकार करते हुए कोर्ट ने कहा कि वर्तमान मामले में गंभीर नुकसान पहुंचाने के साथ ही यहां तक कि मौत का इरादा स्पष्ट दिखता है। कोर्ट ने कहा, इस अदालत को आश्चर्य है कि अगर पति अपनी पत्नी पर सोते समय मिर्च पाउडर के साथ उबलते पानी डालता, उसे कमरे के अंदर बंद कर देता, उसका फोन ले लेता और नवजात बच्चे को रोता हुआ छोड़कर वहां से भाग जाता तो निस्संदेह यह तर्क दिया जाता कि उस पर कोई दया नहीं दिखाई जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि भले ही आरोपी महिला है, फिर भी इस मामले में अग्रिम जमानत देने का कोई आधार नहीं बनता है।

दिल्ली में साइबर सेल के पुलिस कर्मी गलत ढंग से फ्रीज कर रहे थे बैंक खाते

नईदिल्ली, एजेंसी। विजिलेंस की जांच में दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर सेल में दिल्ली पुलिस कर्मियों की ओर से वर्ष 2022 में की गई गड़बड़ी की पुष्टि हुई है। आरोपी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई के लिए विजिलेंस टीम की ओर से जांच रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपी गई है। रिपोर्ट में पता चला है कि जांच अधिकारी और तत्कालीन एसएचओ ने अवैध तरीके से ऐसे बैंक खाते फ्रीज और डी-फ्रीज किए जिनमें ठगी के करोड़ों रुपये थे। इतना ही नहीं एक ऐसे बैंक खाते को भी फ्रीज किया गया, जिसमें छह करोड़ रुपये थे। उस खाते का केस से कोई संबंध भी नहीं था। विजिलेंस ने वर्ष 2023 में दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर सेल के नौ मामलों की जांच की थी, जिनमें 12 बैंक खाते शामिल थे। सात बैंक खाते ऐसे मिले हैं, जिनमें ठगी की रकम आती थी। इस रकम को कुछ ही देर में निकाल लिया जाता था या किसी दूसरे बैंक खाते में भेज दिया जाता था। विजिलेंस ने रिपोर्ट में बताया है कि जांच अधिकारी और तत्कालीन एसएचओ इन बैंक खातों की समय रहते सही से जांच करते तो कई गिरोह का खुलासा हो सकता था। लोगों को उनसे ठगी गई रकम वापस मिल सकती थी।

रिपोर्ट में बताया गया है कि दो सब-इंस्पेक्टर और तत्कालीन साइबर थानाध्यक्ष ने छह मामलों की जांच ठीक से नहीं की है। बैंक खाता धारकों पर अवैध तरीके से दबाव डाला गया ताकि वह साइबर थाने में संपर्क करें, जो भ्रष्टाचार के लिए हो सकता है। साउथ कैंपस थाना पुलिस ने एक मामले में साइबर थाने से तकनीकी मदद मांगी गई तो एसएचओ ने किसी प्रकार की जानकारी देने के बजाय दो बैंक खातों को फ्रीज करवा दिया, जिनका इससे कोई लेना-देना नहीं था। इनमें से एक बैंक खाते में छह करोड़ रुपये थे। आरोपियों से संबंधित सुराग तलाशने की जगह जांच अधिकारियों ने बैंक खातों को फ्रीज करने और बाद में उसे डी-फ्रीज करने पर जोर दिया, जो उनके कार्यक्षेत्र में नहीं आता। जांच में सामने आया कि पुलिस ने जिन बैंक खातों को डी-फ्रीज किया है, उनका सत्यापन तक नहीं किया गया। मामलों की जांच के लिए तय किए गए नियमों का भी पुलिस ने उल्लंघन किया है। विजिलेंस जांच में इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि इन बैंक खातों के जरिये 500 करोड़ रुपये की ठगी हुई है।

दिल्ली में निर्माणाधीन मकान की दीवार गिरी, 5 मजदूर घायल

आसपास के मकानों को भी पहुंचा नुकसान

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर स्थित ब्रह्मपुरी इलाके में गुरुवार शाम एक निर्माणाधीन मकान की दीवार अचानक भरभरा कर गिर गई। इस दौरान वहां काम कर रहे पांच मजदूर इसकी चपेट में आकर घायल हो गए। जिसके बाद सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया। घटना के वक्त दीवार को तोड़ने का काम चल रहा था। उधर पुलिस ने इस मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई करने की बात कही है। फिलहाल वह इमारत के मालिक का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि, न्यू उस्मानपुर स्थित ब्रह्मपुरी क्षेत्र स्थित गली नम्बर 10 में गुरुवार शाम करीब 5.25 बजे एक इमारत ढहने की सूचना थाने में दी गई। जिसके बाद जिले के वरिष्ठ अधिकारियों समेत एसीपी सीलमपुर और एसएचओ न्यू उस्मानपुर अपने स्टाफ के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि मौके पर पहुंचने पर मकान संख्या 53 की तीसरी मंजिल की दीवार

अचानक ढहने और उसका एक हिस्सा बगल के मकान की छत पर गिरने की जानकारी मिली, जिससे काफी नुकसान पहुंचा। पूछताछ में पता चला कि घटना के समय इमारत की दीवार को गिराने का काम किया जा रहा था इसी दौरान दीवार और मकान का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया।

पुलिस के अनुसार दीवार गिराने का काम कर रहे पांच मजदूर हादसे में घायल हो गए। जिसके बाद सभी को अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस मामले के जांच करते हुए इमारत के मालिक का पता लगाने की कोशिश कर रही है। साथ ही पुलिस ने मामले में जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि ब्रह्मपुरी स्थित गली संख्या 10 में बने चार मंजिला मकान डी-53 दीवार तोड़ने का काम चल रहा था। लेकिन इसी दौरान मकान की ऊपरी दो मंजिलें अचानक भरभरा कर गिर पड़ीं। इसके चलते मकान के अगल-बगल स्थित मकानों डी-52 और डी-54 भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही स्थानीय लोगों में से कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन काम कर रहे श्रमिक मलबे की चपेट में आने से घायल हो गए।

दिल्ली में लौटेंगी सर्द हवाएं, सोमवार तक 8 डिग्री गिरेगा तापमान

दिल्ली में लौटेंगी सर्द हवाएं, सोमवार तक 8 डिग्री गिरेगा तापमान

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में गुरुवार को पश्चिमी विक्षोभ के चलते कई इलाकों में बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा आया नगर में 4.2 मिमी दर्ज की गई। मौसम में बदलाव के कारण अधिकतम तापमान में मामूली कमी दर्ज की गई। हालांकि, दोनों ही तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किए गए। अधिकतम तापमान

24.8 डिग्री सेल्सियस रहा, यह सामान्य से 4.5 डिग्री ज्यादा है। न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो सामान्य से 3.5 डिग्री अधिक था। सोमवार तक इसके 8 डिग्री तक गिरने की उम्मीद है। सुबह के समय हल्की धुंध छाई रही। दिन में धूप निकलने के कारण आसमान साफ हो गया। इस दौरान सार्वजनिक स्थलों पर घूमने आए लोगों ने धूप का आनंद लिया। वहीं, शुक्रवार को राजधानी में सुबह और शाम हल्की धुंध छाई रहने की संभावना है। इस दौरान तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बारिश के कारण वीकेंड तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है।

स्काईमेट के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा, बारिश और उसके साथ बादल छाए रहने से अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी। शुक्रवार से ठंडी उत्तर-पश्चिमी हवाएं भी चलेंगी क्योंकि ताजा बर्फबारी हुई है, जिसका मतलब है कि हवा में ठंडक लौट आएगी। इस बीच, दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में है। पिछले 24 घंटों के दौरान एक्यूआई में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह 9 बजे औसत एक्यूआई 264 (खराब) था, जिसमें बुधवार शाम 4 बजे की रीडिंग 260 (खराब) से मामूली वृद्धि है।

पापा विधायक हैं मेरे; खुद को अमानतुल्लाह खान का बेटा बता किया हंगामा, फिर बाइक छोड़ भागा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच, दिल्ली पुलिस ने सड़क पर यातायात नियमों का उल्लंघन और पुलिस से बदसलूकी करने के आरोप में दो लड़कों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कथित तौर पर उनमें से एक लड़का खुद को ओखला विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अमानतुल्लाह खान का बेटा बताकर रौब झाड़ने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने उसकी बाइक भी जब्त कर ली है।

दिल्ली पुलिस की ओर से शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस की पेट्रोलिंग के दौरान रॉन्ग साइड से बुलेट बाइक पर सवार होकर आते दो लड़के नजर आए, जो बुलेट के मॉडिफाइड साइलेंसर से तेज आवाज निकाल रहे थे। इसके साथ ही बाइक को जिगजैग तरीके से भी चला रहे थे। पुलिस ने जब उन दोनों लड़कों को रोककर पकड़ा तो उनमें से एक ने बताया कि वह आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान का बेटा है। लड़के ने पुलिस कर्मियों पर आरोप लगाते हुए बदसलूकी की कि वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वह आप विधायक का बेटा है। पुलिस ने जब उनसे ड्राइविंग लाइसेंस और आईडी मांगी तो उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी जरूरत नहीं है। इसके बाद उन लड़कों में से एक ने अमानतुल्लाह खान को फोन किया और एसएचओ से उनकी बात कराई। इसके बाद में दोनों लड़के अपना नाम और पता बताए बिना वहां से चले गए।

मध्य प्रदेश: स्वामित्व योजना के तहत भूमि स्वामी अधिकार अभिलेख वितरण की तैयारी संबंधी वीडियो कान्फ्रेंसिंग हुई आयोजित

साबिर मोहम्मद मंसूरी

मध्य प्रदेश: झाबुआ राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव विवेक कुमार पोरवाल ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वामित्व योजना के तहत हितग्राहियों को भूमि स्वामी अधिकार अभिलेख वितरण कार्यक्रम की तैयारियों और राजस्व महाभियान 3.0 की समीक्षा बैठक आयोजित की। इस दौरान प्रमुख सचिव ने बताया कि 18 जनवरी 2025 को भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा स्वामित्व योजना का केंद्रीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चयनित लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद करेंगे और इलेक्ट्रॉनिक रूप से अधिकार अभिलेख वितरित किए जाएंगे।

प्रमुख सचिव का निर्देश

प्रमुख सचिव ने सभी जिलों में पात्र हितग्राहियों को भूमि स्वामी अधिकार अभिलेखों का वितरण जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में समारंभपूर्वक करने का निर्देश दिया। ये अधिकार अभिलेख भू-लेख पोर्टल पर तहसीलदार के लॉगिन में उपलब्ध होंगे, और इनकी रंगीन प्रतियां हितग्राहियों को वितरित की जाएंगी।

राजस्व महाभियान 3.0 की समीक्षा

वीडियो कान्फ्रेंसिंग में प्रमुख सचिव ने राजस्व महाभियान 3.0 की भी समीक्षा की, खासकर फार्मर रजिस्ट्री और खसरा के आधार आरओआर (फ्ङफ) लिंकिंग की। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूरा किया जाना चाहिए, ताकि भारत सरकार की महात्वाकांक्षी योजना से राजस्व प्रकरणों में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 1 जनवरी 2025 से फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी गई है।

झाबुआ जिले का प्रदर्शन

फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि झाबुआ जिले में 65,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन के साथ प्रदेश में द्वितीय स्थान पर है।

अन्य निर्देश

इसके अलावा, प्रमुख सचिव ने जिलेवार राजस्व प्राप्तियों के लक्ष्य और वसूली की समीक्षा की और निर्देशित किया कि जल्द से जल्द लक्ष्य पूर्ति की जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की और समस्त भवनों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

कलेक्टर की ओर से तैयारियों पर जोर

वीडियो कान्फ्रेंसिंग के बाद कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि जिला स्तरीय कार्यक्रम को गरिमामय तरीके से आयोजित किया जाए, और जिले की 46 ग्राम पंचायतों में 4284 से अधिक भूमि स्वामी अधिकार अभिलेखों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जिला स्तरीय कार्यक्रम का वेबकास्ट और टेलीकास्ट किया जाए।

उपस्थित अधिकारी

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले, डिप्टी कलेक्टर्स और एसएलआर उपस्थित थे।

एक नजर

उत्तर प्रदेश: हापुड़ जनपद की कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने के लिए रढ ने लगाया एड़ी चोटी का जोर

राहुल कुमार/उत्तर प्रदेश: जनपद हापुड़ की कप्तान पद की कमान संभालने से लेकर वर्तमान स्थिति तक जनपद की कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त एवं सुदृढ़ बनाने को लेकर एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं और थाने एवं चौकी आने वाले पीड़ितों की फरियाद को गहनता से सुनने को लेकर दिशा निर्देश जारी किए हुए हैं। वही कुछ पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरत ते हुए नजर आ रहे हैं। जिसका जीता जागता उदाहरण बाबूगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली पुलिस चौकी कुचेसर रोड चौपले पर देखने को मिला है। जिसमें पुलिस चौकी पर ताला लटका हुआ है। ऐसी स्थिति में किसी के साथ कोई घटना घटित होती है तो पीड़ित किस से करेगा फरियाद। जबकि जनपद में शांति सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने को लेकर एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह खुद देर रात्रि तक पैदल भ्रमण कर ड्रोन कैमरे की तरह पैनी नजर लगाए हुए हैं। लेकिन चौकी पर तैनात चौकी प्रभारी अपनी ड्यूटी के प्रति बरत रहे हैं। लापरवाही जिसका फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से हो रहा है वायरल।

उत्तर प्रदेश: हापुड़ SP ने अपराधिक घटनाओं में वांछित एवं संदिग्ध लोगों के विरुद्ध चलाया अभियान

राहुल कुमार/उत्तर प्रदेश: हापुड़ एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के दिशा निर्देश पर हापुड़ पुलिस के द्वारा अपराधिक घटनाओं में वांछित एवं संदिग्ध लोगों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान हापुड़ नगर कोतवाली प्रभारी मुनीष प्रताप सिंह के द्वारा मुखबिर की सूचना पर अपनी तेज तर्रार पुलिस टीम के साथ तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करते हुए दो शातिर किस्म के धोखाधड़ी टप्पे बाजी कर सीधे-साधे भोले भाले लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के हिमांशु पुत्र सुनील सूरजपुत्र पूरन सिंह निवासी सुल्तानपुरी दिल्ली को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर 6500 की नगदी एवं पीली धातु के आभूषण जिसमें तीन जोड़ी कुंडल दो जोड़ी इयररिंग एक गले का लॉकेट बरामद किया है। वही इस मामले को लेकर सीओ सिटी जितेंद्र शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों युवक किस्म के ठग है।

जिन्होंने सीधे-साधे भोले भाले लोगों को अपनी लच्छेदार बातों में उलझा कर उनसे रुपए एवं कीमती आभूषणों की ठगी करना स्वीकार किया। जिनके विरुद्ध विधिक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

उत्तर प्रदेश: बक्सर के बाल्मीकि बस्ती में जल भराव की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

राहुल कुमार

उत्तर प्रदेश: सिंभावली ब्लॉक के गांव बक्सर स्थित बाल्मीकि बस्ती में जल भराव की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने हाल ही में विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि पिछले कई महीनों से गली में जल भराव हो रहा है, लेकिन ग्राम प्रधान और ब्लॉक अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद इस समस्या का समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि इस जल भराव के कारण स्कूली बच्चों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है, जिससे स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ सकता है।

ग्रामीणों ने जिला अधिकारी से इस समस्या का समाधान करने की मांग की। प्रदर्शन में चमन, करण, सोमवीर, अनिल, सुमित, अजय, राजीव, सुरेंद्र, सतीश, सुरेश और अन्य वाल्मीकि समाज के सदस्य भी शामिल थे।

राजस्थान: गुरु समर्पण महोत्सव पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

हस्तीमल जैन/राजस्थान: गुरु समर्पण महोत्सव पर उमड़े श्रद्धा के सैलाब का यह दृश्य निश्चित ही एक अद्वितीय धार्मिक आयोजन का प्रतीक है। जैन महातीर्थ भोपावर में आयोजित यह पर्व, आचार्य श्री नवरत्न सागर सुरीश्वर की नवम पुण्यतिथि के अवसर पर हुआ, और इसे दुधालिया से नवरत्न परिवार के नेतृत्व में एक विशाल श्रद्धालु समूह ने शांति और भक्तिभाव से मनाया। शांतिनाथ जैन श्वेतांबर ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस महोत्सव में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एकत्रित हुई, जिनमें खासतौर पर झालावाड़ जिले के प्रदेश अध्यक्ष संजय जी डड्डा और राजेश जी बाफना ने आयोजन के महत्व को रेखांकित किया।

आचार्य श्री पटधर युवाचार्य श्री विश्वरत्न सागर सुरीश्वर के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव में, श्रद्धालु गुरुदेव की समाधि स्थल पर विभिन्न धार्मिक क्रियाओं में भाग लेकर अपनी श्रद्धा व्यक्त कर रहे थे। विशेष रूप से पालकी यात्रा का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालु उत्साह के साथ पालकी को अपने कंधों पर उठाने के लिए लालायित दिखाई दे रहे थे, यह दृश्य गुरु और भक्त के अटूट संबंध का प्रतीक था। यह महोत्सव न केवल धार्मिक आस्थाओं को प्रगाढ़ करता है, बल्कि श्रद्धा और समर्पण के महत्व को भी दशार्ता है।

महाराष्ट्र: आष्टी गांव में गणतंत्र दिवस 2025 की तैयारी को लेकर हुई समीक्षा बैठक

महेश पांडुरंग शेंडे

महाराष्ट्र: आष्टी गांव में आगामी गणतंत्र दिवस 2025 की तैयारी को लेकर की गई समीक्षा बैठक में पुलिस निरीक्षक विशाल काळे और उनके टीम के अधिकारियों ने सुरक्षा परिदृश्य का आकलन किया और कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में यह मुख्य बिंदु थे।

सुरक्षा परिदृश्य का आकलन: वर्तमान सुरक्षा स्थिति का समग्र विश्लेषण किया गया, ताकि कोई भी सुरक्षा से संबंधित मुद्दे सामने आने से पहले ही उन पर कार्रवाई की जा सके।

निर्बाध समन्वय: पुलिस और गांव के पुलिस पाटील के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता को माना गया, ताकि सुरक्षा सुनिश्चित करने में कोई कमी न हो।

उच्च सतर्कता और निगरानी: गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान उच्च सतर्कता बनाए रखने और निगरानी बढ़ाने पर जोर दिया गया। विशेष रूप से उन स्थानों पर ध्यान केंद्रित किया गया जहां समारोह आयोजित होंगे, और गश्त बढ़ाने का आदेश दिया गया।

सोशल मीडिया पर निगरानी: गलत सूचना या असामाजिक तत्वों द्वारा किसी भी तरह की समस्या उत्पन्न करने से बचने के लिए सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया।

महिला सुरक्षा: महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया और पेट्रोलिंग की निरंतरता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया कि महिलाएं पूरी तरह से सुरक्षित रहें और किसी प्रकार का व्यवधान न हो।

यह बैठक पूरी तरह से सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी संभावित संकट से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता को समझते हुए समाप्त हुई। सभी अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया कि वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ निभाएं।

हरियाणा: अखिल भारतीय सेवा संघ शाखा मंडी डबवाली में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

रितेश

हरियाणा: अखिल भारतीय सेवा संघ शाखा मंडी डबवाली की ओर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती आज के.आर. मेमोरियल अरोड वंश स्कूल चौटाला रोड के में जाकर बच्चों को सर्दी से बचाव हेतु जसीर्यां वितरित करके मनायी। इस मौके पर शाखा डबवाली के प्रधान गौरव शर्मा शाखा की कार्यकारिणी समिति के सदस्यों में से समाजसेवी महेंद्र बंसल, जगत नारायण शर्मा, अंकुर गर्ग विकास बिश्नोई बीकेबी क्लासेस मौके पर मौजूद थे। इस मौके पर उन्होंने बच्चों के बीच में जाकर विद्यालय के चुनिंदा बच्चों को जसीर्यां वितरित की व आशीर्वाद प्रदान करते हुए।

उन्होंने बच्चों से उनका कुशलक्षेम भी जाना तथा उनकी अभिरुचियों के बारे में भी ज्ञान प्राप्त किया उन्होंने कहा कि, हम सभी को खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए तथा देश के शहीदों को हमेशा याद रखना चाहिए। इस मौके पर के.आर. मेमोरियल अरोड़ वंश स्कूल के प्रधानाचार्य सुशील कुमार विद्यालय समिति सदस्यों में वरिष्ठ उप-प्रधान हरजीत सिंह जी व गुरबाज सिंह मौजूद थे।

गुजरात: शिक्षा मंत्री ने की बड़ी घोषणा, एक महीने में होगी 24,700 शिक्षकों की भर्ती

राजपूत रणजीत

गुजरात: राज्य में शिक्षा मंत्री डॉ. कुबेर डिंडोर ने घोषणा की है कि अगले एक माह में 24,700 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी और नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। यह भर्ती प्रक्रिया शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित की जाएगी, जिसमें पहली से 12वीं तक के रिक्त पदों को भरा जाएगा।

भर्ती पूरी तरह से योग्यता आधारित और पारदर्शी होगी और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि भर्ती प्रक्रिया में मेरिट के आधार पर चयन होगा।

यह भर्ती राज्य में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उत्तर प्रदेश: भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने किसानों की समस्याओं को लेकर की विस्तार पूर्वक चर्चा

राहुल कुमार/उत्तर प्रदेश: ग्राम दत्तियाना में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने किसानों की समस्याओं को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि सिंभावली और बृजनाथपुर हापुड़ जिले में दो शुगर मिलें हैं। दोनों मिलों पर कर्जा होने के कारण कोर्ट में केस चल रहा है। जिसमें किसानों का गन्ना भुगतान ठउछळ के नियम से हो रहा है। कोर्ट ने कहा था कि सर्वप्रथम अधिकार किसानों का है।लेकिन गन्ना किसानों को न्याय नहीं मिल रहा है। बैंक और मिलों की लड़ाई से सभी किसान भाई परेशान है।जिसके कारण किसानों को आर्थिक तंगी से जूझना पड़ रहा है। घर का खर्च बच्चों के स्कूल की पढ़ाई, शादी एवं अन्य जरूरत के लिए साहूकारों से कर्ज लेने को मजबूर है। अन्य शुगर मिलों का 14 दिनों में गन्ना भुगतान हो रहा है इनकी लड़ाई से क्षेत्र के किसान 10-11 साल से परेशान हैं। इन सभी बातों को देखते हुए 16-1-2025 को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष पवन हूण गुर्जर के नेतृत्व में करीब 100 से 150 यूनियन के कार्यकर्ता व पदाधिकारी तथा किसान ठउछळ मजिस्ट्रेट जज से अपनी गन्ना भुगतान ब्याज सहित की बात उनके समक्ष रखने और अपने अधिकारों की बात करने जाएंगे। इस अवसर पर जिला सचिव अनिल हूण, करतार हूण, हेमसिंह ठेकेदार, संजय, राहुल, गौरव हूण, आदेश, हर्ष, बंटी, सुशील, चिंटू दिपू, अनमोल मौजूद रहे।

बिहार: बैरिया के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय में मनाया गया सड़क सुरक्षा पखवाड़ा

एमडी फिरोज आलम/बिहार: आज प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय और मध्य विद्यालय बैरिया में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 1 से लेकर 11 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत एसआई निक्की और प्रधानाध्यापक पंकज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की। एसआई निक्की और एसआई इंद्रमणि महतो ने बाड़ी-बाड़ी से बच्चों से सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी ली और प्रसन्नता व्यक्त की कि बच्चे अब इस विषय पर काफी जागरूक हैं। उन्होंने कहा कि हमारे समय में स्कूलों में ऐसे कार्यक्रम नहीं होते थे, लेकिन अब यह बहुत अच्छी बात है कि इस प्रकार के कार्यक्रम हो रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने पुष्प वर्षा और स्वागत गान किया।

उत्तर प्रदेश: फाईनल मुकाबले में दुद्धी ने चोपन को हराकर, विजेता कप पर किया कब्जा

रानू

उत्तर प्रदेश: जनपद के दुद्धी मे 38वें अंतरराज्यीय क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबले में दुद्धी की टीम ने चोपन को 6 विकेट से हराकर इनामी स्पर्धा का ट्राफी अपने नाम कर लिया। टाऊन क्लब के तत्वाधान में स्थानीय टीसीडी क्रीड़ांगन पर चल रहे क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबले का टॉस चोपन के कप्तान प्रभात ने जीता और पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया। चोपन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में अपने 9 विकेट खोकर 182 रन बनाए। जिसमें परवेज ने 4 छक्के व 5 चौकेबकी मदद से सर्वाधिक 47 रनों की पारी खेली। वहीं विकास ने 6 चौके की मदद से 35 रन,प्रभात ने 7 चौके की मदद से 34 रन और साहिल ने 1 छक्का व 5 चौका की मदद से 32 रन बनाए। गेंदबाजी करते हुए दुद्धी के गेंदबाज ओमकार ने 4 विकेट, अंकित ने 2, सचिन ने 2 विकेट और धर्मेंद्र ने 1 विकेट लिए।

जवाब में खेलने उतरी दुद्धी की टीम ने 18 ओवर में ही 4 विकेट पर जीत लक्ष्य हासिल कर लिया। जिसमें आलोक शर्मा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 4 छक्के व 7 चौके की मदद से सर्वाधिक 69 रनों की पारी खेली और टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। वहीं सृजन ने भी 3 छक्के व 5 चौके की मदद से शानदार 54 रन बनाये।रजत राज ने 1 छक्के व 5 चौके की मदद से 33 रन एवं सागर ने 10 रन जोड़े। चोपन की ओर से गेंदबाजी करते हुए साहिल ने 2 विकेट तथा विकास व परवेज ने 1-1 विकेट लिए। इस तरह टीसीडी दुद्धी की टीम ने चोपन टीम को 6 विकेट से पराजित कर, 50 हजार के इनामी विजेता कप पर कब्जा कर लिया। आज के मैच में 69 रनों की पारी खेलने वाले दुद्धी के आलोक शर्मा को मैन ऑफ द मैच व मैन आफ द सीरीज के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।आयोजन कमेटी द्वारा विजेता टीम को 50 हजार नकद व चमचमाती विजेता कप और उपविजेता टीम दुद्धी को 25 हजार नकद व उपविजेता कप प्रदान किया गया।मैच में निर्णायक की सुनील गुप्ता व नागेंद्र राज ने किया।कमेंट्री सलीम खान व सुनील जायसवाल ने किया।स्कोरिंग राजू शर्मा ने की।

इसके पूर्व टूनार्मेंट समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक हरीराम चेरो का आयोजन कमेटी द्वारा माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन किया गया।समारोह को संबोधित हुए श्री चेरो ने बेहतरीन आयोजन के लिए कमेटी का आभार जताया और मांग पर लैपटॉप देने समेत भविष्य में हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया।उन्होंने दोनों विजेता व उपविजेता टीम को उम्दा खेल प्रदर्शन के लिए बधाई दी। समारोह अध्यक्ष चेयरमैन कमलेश मोहन ने पूर्वांचल के ऐतिहासिक टूनार्मेंट के लिए खिलाड़ियों समेत आयोजन कमेटी को बधाई दिया और हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने अगले वर्ष के टूनार्मेंट के पूर्व खेल मैदान की सड़क छोर पर नेट जाली व बाउंड्रीवाल पूरा कराने आश्वासन दिया।टूनार्मेंट अध्यक्ष सुमित सोनी व सचिव अंकुर बच्चन ने सबका आभार व्यक्त किया।समापन समारोह का संचालन मु.शमीम अंसारी ने किया।

सम्पादकीय

किसे कहेंगे घुसपैठिया?

फिल्म अभिनेता सैफ अली खान अस्पताल से घर लौट आए हैं। राजनेताओं की भाषा के मुताबिक, सैफ 'टनाटन' और बिल्कुल स्वस्थ नजर आ रहे हैं। हमले के मात्र पांच दिन बाद ही सैफ बिल्कुल ठीक हो गए, उनके गहरे जख्म भी भर गए, वाह! चमत्कार हो गया। यही हमारी राजनीति की भाषा है। हमारे नेताओं के ऐसे वाहियात और बेमानी विश्लेषण हैं कि वे सैफ पर जानलेवा हमले और बांग्लादेशी अभियुक्त को लेकर सवाल कर रहे हैं। बहरहाल हम इस मुद्दे को यहीं छोड़ते हैं, क्योंकि पुलिस और अन्य एजेंसियों को सम्यक जांच करने की पूरी स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। यह नेताओं के संदेहों और सवालों का क्षेत्र भी नहीं है। हमारा बुनियादी सरोकार यह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्या मुसलमानों का मुद्दा एकदम 'राष्ट्रीय' बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र सरकार को अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। बाकायदा राज्य के गृह विभाग को एक पत्र लिखा गया है। सैफ के हमले ने यह मुद्दा एक बार फिर गरमा दिया है।

पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा राज्यों की सीमाओं पर अवैध घुसपैठियों की धरपकड़ अचानक बढ़ गई है और उन्हें वापस बांग्लादेश में खदेड़ा जा रहा है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा था, जिसके बाद बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ तलाशी अभियान बढ़ गए हैं। अलबत्ता बांग्लादेश वापस भेजने की कोई खबर नहीं आई है, क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी के गली-मुहल्लों में बांग्लादेशी दशकों से सक्रिय हैं। वे जीवन और समाज का हिस्सा बने हैं। वे रिक्शा चलाते हैं। उनकी औरतें घरों में काम करती हैं। इलाके के ढाबों और दुकानों पर बांग्लादेशी मजदूरी करते हैं। वे सहकारी सोसायटी के फ्लैटों में निर्माण, मरम्मत, बढ़ई, प्लंबर और एयर कंडीशनर मैकेनिक के तौर पर खुलेआम, सालों से काम कर रहे हैं। उनके पास आधार कार्ड, वोटर आई कार्ड, राशन कार्ड जैसे सरकारी दस्तावेज हैं। वे ह्वप्रधानमंत्री की मुफ्त अनाजह्न योजना का भी लाभ उठा रहे हैं। वे आम आदमी पार्टी के चुनावी लाभार्थी समूह में भी शामिल हैं। कानूनन वे 'भारतीय' हैं। उनकी पुश्तैनी जड़ें अधिकतर बंगाल, असम, त्रिपुरा आदि राज्यों से जुड़ी हैं।

ऐसे में किसे 'घुसपैठिया' करार देंगे और किस पर 'अवैध प्रवासी' का संदेह कर कानूनी कार्रवाई करेंगे? दरअसल बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, असम, मेघालय और मिजोरम राज्यों की सीमाएं लगती हैं। अधिकतर सीमाएं खुली हैं। हालांकि करीब 77 फीसदी सीमा पर बाड़बंदी का काम किया जा चुका है, लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ सीमा-विवाद हैं, कुछ इलाके नदियों से सटे हुए हैं, जहां फेंसिंग नहीं की जा सकती। इन इलाकों के लोग भी बाड़ का विरोध करते रहे हैं। लिहाजा बांग्लादेश से त्रिपुरा, असम, बंगाल के जरिए लोग आते-जाते रहे हैं। पकड़े जाने पर वे खुद को असम, त्रिपुरा के निवासी बताते हैं। दस्तावेज भी होते हैं, तो प्रशासन और पुलिस उन्हें हिरासत में कैसे रख सकते हैं? हमारे देश में ऐसे भी गिरोह सक्रिय हैं, जो फर्जी कार्ड और दस्तावेज बनवा देते हैं। यह भी नए किस्म का भ्रष्टाचार और देशद्रोह है।

चूंकि सैफ अली खान वीआईपी शख्स हैं, लिहाजा उनके घर में घुसने और हमला करने का यह मामला सुर्खियों में आ गया। अभी तक की जांच में बांग्लादेशी घुसपैठिए को ही 'हमलावर' माना जा रहा है, लिहाजा यह मुद्दा नए सिरे से 'राष्ट्रीय' बन गया। आरएसएस इस मुद्दे को दशकों से उठाता रहा है। संघ के आकलन भी सामने आते रहे हैं कि देश में 2 करोड़ से ज्यादा बांग्लादेशी अवैध रूप से घुस चुके हैं और 'नकली भारतीय' बनकर रह रहे हैं। ऐसे घुसपैठियों में आतंकवादी और तस्करों के एजेंट भी पाए गए हैं। गिरफ्तारी होती है, जांच होती है, लेकिन अंतिम निष्कर्ष शून्य रहा है। बीते 11 साल से केंद्र में मोदी सरकार है, जो चेतना से संघवादी है। इस मुद्दे पर खूब राजनीति भी होती रही है। अब दिल्ली चुनाव में भाजपा के आरोप हैं कि केजरीवाल की पार्टी बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं के दस्तावेज बनवा रही है और उन्हें दिल्ली में ही बसा रही है, ताकि वे 'आप' के ही वोटर बने रहें। बेशक यह भी गंभीर जांच का विषय है। अब देखते हैं कि यह मुद्दा 'राष्ट्रीय फोकस' में आने के बाद किस अंजाम तक पहुंचता है?

कांग्रेस को तय करनी होगी अपनी प्राथमिकता

-राज कुमार सिंह-

कांग्रेस का नया चुनावी नाराः हाथ बदलेगा हालात, न हरियाणा में हालात बदल सका और न ही महाराष्ट्र में। हां, उसके नेतृत्व वाले गठबंधन के हालात अवश्य बदल गए। हरियाणा और महाराष्ट्र में हार के बाद आइएनडीआइए के नेतृत्व को लेकर उठे सवालों पर चुप्पी साधने वाली कांग्रेस के दिल्ली विधानसभा चुनाव में तेवर बता रहे हैं कि हाथ ने अपने हालात बदलने का मन बना लिया है।

लगभग छह महीने पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जिस आप के साथ युगल गीत गाते हुए वोट मांग रही थी, अब वह उसे एंटी नेशनल, भ्रष्ट और धोखेबाज दिखने लगी है। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अजय माकन ने अरविंद केजरीवाल को एंटी नेशनल बताते हुए आप से दोस्ती को गलती माना। इसके बाद आप और कांग्रेस के बीच तकरार बढ़ गई।

दिल्ली में चुनाव प्रचार शुरू करते हुए राहुल गांधी ने तो केजरीवाल को मोदी की तरह झूठे वादे करने वाला करार दिया। इस पर केजरीवाल ने जवाब दिया कि राहुल कांग्रेस बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि मैं देश बचाने की। राजनीतिक टीका-टिप्पणी से इतर देखें तो सच यही है कि दोनों अपनी राजनीति बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

जब 2023 में दो दर्जन से भी ज्यादा विपक्षी दलों ने अपना मोर्चा-आइएनडीआइए बनाया था तो मंच पर बैनर टंगा थाः यूनाइटेड वी स्टैंड। एक और बैठक में मंच पर स्लोगन लिखा था, जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया, लेकिन देश को दिखाए गए उन सपनों का सच डेढ़ साल में सामने आ गया। तनातनी पहले भी दिखती रही, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव में बात आर-पार तक पहुंच गई।

फिलहाल सीधी जंग कांग्रेस और आप के बीच है, जबकि अन्य घटक दर्शक दीर्घा से अपनी पसंद के पक्ष का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। जब चुनावी जंग अन्य राज्यों में पहुंचेगी तो वहां भी ऐसे परिदृश्य की संभावना से इन्कार नहीं। गठबंधन बनने के समय ही यह तथ्य रेखांकित किया गया था कि घटक दलों में मोदी और भाजपा के विरोध के अलावा कोई साझा उद्देश्य नहीं है, उलटे उनमें दलगत हितों और महत्वाकांक्षाओं का तल्ख टकराव है।

दो लोकसभा चुनावों में हाशिये पर रहे विपक्षी दल तीसरे चुनाव के लिए एक साथ तो आए, पर मकसद पूरा न होने पर वापस अपनी-अपनी राह चलने को बेताब हैं। लोकसभा चुनाव में भी बंगाल, केरल और पंजाब में मित्र दल आपस में ही जोर आजमाइश कर रहे थे। अब यदि दिल्ली में भी कांग्रेस और आप ताल ठोंकते दिख रहे हैं तो आश्चर्य नहीं।

दिल्ली में कांग्रेस के तेवरों से साफ है कि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से रोकने में नाकामी के बाद उसने शायद अपने पुनरुत्थान के प्रयास का मन बना लिया है। इसमें कोई बुराई नहीं, पर यह काम आसान नहीं। दशकों तक देश और प्रदेशों पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस की दुर्दशा अचानक नहीं हुई। बेशक उसका ऐतिहासिक चुनावी पराभव 2014 में हुआ, लेकिन अपनी कमजोरियों-गलतियों से वह बहुत पहले से जर्जर होने लगी थी।

कांग्रेस लंबे समय से तमिलनाडु और बंगाल में अकेले दम पर चुनाव लड़ने लायक भी नहीं रह गई है। दो बड़े राज्य उत्तर प्रदेश और बिहार उसके शक्ति स्रोत थे, लेकिन अब वहां भी वह दशकों से क्षेत्रीय दलों पर निर्भर है। आंध्र, झारखंड में भी यही स्थिति है। यह सब हाल-फिलहाल नहीं हुआ। दरअसल सत्ता पाने के खेल में कांग्रेस इतनी आत्ममुग्ध हो गई कि संगठन खोखला होता गया। जनाधार वाले क्षत्रपों के बजाय आलाकमान की पर्चियों से मुख्यमंत्री बनने लगे। जैसे नेता आगे बढ़े, उन्होंने वैसे ही कार्यकर्ता भी आगे बढ़ाए।

राष्ट्र के गणतंत्र दिवस में हम कहां खड़े हैं?

-सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"-

> 26 जनवरी को संविधान द्वारा मिली स्वायत्तता और कानून की परिधि में स्वतंत्रता का वास्तविक रूप साकार हुआ। 26 जनवरी 1950 से पहले तक, हम ब्रिटिश शासन की परोक्ष परतंत्रता में ही जीवन यापन कर रहे थे। संविधान में उल्लिखित उद्घोष "हम भारत के लोग भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए संकल्पित हैं" यह सुनिश्चित करता है कि 26 जनवरी केवल एक तिथि नहीं, बल्कि संपूर्ण स्वतंत्रता का प्रतीक है।

प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को हमारा देश गणतंत्र दिवस के रूप में राष्ट्रीय पर्व मनाता है। यह दिन हमारे लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसी दिन 1950 में स्वतंत्र भारत का संविधान लागू हुआ था। स्वतंत्रता प्राप्ति का पर्व 15 अगस्त भी उतना ही महत्वपूर्ण है, परंतु 26 जनवरी को संविधान द्वारा मिली स्वायत्तता और कानून की परिधि में स्वतंत्रता का वास्तविक रूप साकार हुआ। 26 जनवरी 1950 से पहले तक, हम ब्रिटिश शासन की परोक्ष परतंत्रता में ही जीवन यापन कर रहे थे। संविधान में उल्लिखित उद्घोष "हम भारत के लोग भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए संकल्पित हैं" यह सुनिश्चित करता है कि 26 जनवरी केवल एक तिथि नहीं, बल्कि संपूर्ण स्वतंत्रता का प्रतीक है।

2025 में, हम गणतंत्र दिवस की 76वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह एक ऐसा अवसर है जब हमें आत्ममंथन करने की आवश्यकता है कि हमने इन 76 वर्षों में क्या खोया और क्या पाया। 1947 में मिली स्वतंत्रता के बाद हमने एक समृद्ध, स्वावलंबी और समानता पर आधारित भारत का सपना देखा था। लेकिन 76 वर्षों की यात्रा में हम जिस स्थिति में खड़े हैं, वह आत्मगौरव के साथ-साथ आत्मावलोकन का भी विषय है।

उपलब्धियां

1. वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगतिः भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। चंद्रयान और मंगल मिशन जैसे उपलब्धियों ने भारत को विश्व मंच पर अग्रणी बनाया।

2. कृषि और उद्योगः हरित क्रांति के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की गई और औद्योगिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त हुआ।

3. शिक्षा और स्वास्थ्यः शिक्षा के क्षेत्र में साक्षरता दर में वृद्धि हुई और कई प्रतिष्ठित संस्थानों का निर्माण हुआ। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पोलियो उन्मूलन और कोविड-19 वैक्सीनेशन जैसे प्रयास उल्लेखनीय हैं।

4. सामाजिक समरसताः संविधान द्वारा समानता, धर्मनिरपेक्षता, और सामाजिक न्याय को प्रमुखता दी गई, जिसने समाज में समरसता का आधार प्रदान किया।

चुनौतियां

1. भ्रष्टाचार और स्वार्थपूर्ण राजनीतिः राजनीति सेवा का माध्यम बनने के बजाय स्वार्थ और शक्ति का साधन बन गई है। भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा बन चुका है।

2. आर्थिक असमानताः देश में आर्थिक विषमता का स्तर चिंताजनक है। अमीर और गरीब के बीच की खाई लगातार बढ़ रही है।

3. सामाजिक विघटनः जातीयता, सांप्रदायिकता, और क्षेत्रीय असमानता ने समाज को विभाजित कर दिया है।

4. न्याय प्रणाली की खामियांः न्याय प्रणाली की जटिलता और विलंबता ने आम आदमी के लिए न्याय को दुर्लभ बना दिया है। लाखों मुकदमे दशकों से लंबित हैं।

हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र होने का गर्व तो करते हैं, लेकिन क्या हमारा लोकतंत्र वास्तव में मजबूत है? 76 वर्षों के बाद भी जनता की भागीदारी सीमित है। धन और बाहुबल का राजनीति पर बढ़ता प्रभाव लोकतंत्र की आत्मा पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

भारत में न्याय प्रणाली ताकतवर लोगों के हाथों की कठपुतली बनती जा रही है। गरीब और कमजोर वर्ग के लिए न्याय केवल एक सपना बनकर रह गया है। पच्चीस वर्षों से लंबित मुकदमे हमारी न्याय प्रणाली की धीमी गति को दशार्ते हैं। यह स्थिति गणतंत्र के आदर्शों के विरुद्ध है।

राजनीतिक स्वतंत्रता के बावजूद सांस्कृतिक और नैतिक रूप से हम अभी भी परतंत्र हैं। पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण हमें अपनी सांस्कृतिक पहचान से दूर ले जा रहा है। भोगवाद और नैतिक पतन ने हमारी सभ्यता को कमजोर कर दिया है।

समाधान और आशा की किरण

गणतंत्र दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का भी दिन है। आज आवश्यकता है कि हम अपने आदर्शों की ओर लौटें और उन मूल्यों को पुनः आत्मसात करें जो हमारे संविधान की नींव हैं।

1. नैतिक पुनर्जागरणः भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्यों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यह केवल एक सांस्कृतिक नहीं, बल्कि नैतिक उत्थान का भी मार्ग है।

2. शिक्षा का सुधारः शिक्षा को व्यावसायिक लाभ से परे मानवता और नैतिकता के विकास का माध्यम बनाया जाए।

3. जनभागीदारीः लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए जनता की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

4. स्वच्छ राजनीतिः राजनीति को सेवा का माध्यम बनाने के लिए कड़े सुधार और पारदर्शिता की आवश्यकता है।

5. न्याय प्रणाली में सुधारः न्याय प्रणाली को सुलभ, सरल और तेज बनाने के लिए व्यापक सुधार आवश्यक हैं।

राष्ट्र की संकल्पना

आज 76 वर्षों बाद हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमने किस उद्देश्य से स्वतंत्रता प्राप्त की थी। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हो।

सौ सौ निराशाएं रहें, विश्वास यह दृढ़ मूल है। इस आत्मसलीला भूमि को, वह विभु न सकता भूल है। अनुकूल अवसर पर दयामय, फिर दया दिखलाएंगे। वे दिन यहां फिर आएंगे, फिर आएंगे, फिर आएंगे।

आज के इस गणतंत्र दिवस पर यह कविता हमें प्रेरणा देती है कि विपरीत परिस्थितियों में भी हमें अपने आदर्शों और विश्वास पर अडिग रहना चाहिए। यह दिन केवल हमारी उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत और गौरवशाली भारत का निर्माण करने का अवसर है।

26 जनवरी हमारे लिए केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है। यह हमें स्मरण कराती है कि हमने जो स्वतंत्रता प्राप्त की, वह अनमोल है। लेकिन इसे बनाए रखना और इसे सशक्त बनाना हमारा दायित्व है। वर्तमान चुनौतियों को स्वीकार कर, उन्हें दूर करने के प्रयास में जुटना ही सच्चे अर्थों में गणतंत्र दिवस का सम्मान होगा।

अफगानिस्तान में पश्तूनावली की चेतना

-कुलदीप चंद अग्निहोत्री-

यही मूल अंतर है जिसे पाकिस्तान के लोग तो शायद समझ रहे हैं, लेकिन अपने राजनीतिक स्वार्थों के कारण वहां के हुक्मरान नहीं समझ रहे। पाकिस्तान के हुक्मरान अपने देश के लोगों को इस्लाम के नाम पर उनकी सनातन सांस्कृतिक चेतना से तोड?ा चाहते हैं। पश्तून इसके लिए तैयार नहीं हैं। न तो डूरंड रेखा के इस ओर के पश्तून और न ही उस ओर के पश्तून। यही कारण है कि दशकों तक तालिबान की मदद के बावजूद आज फिर पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार आमने-सामने हैं और और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी तालिबान सरकार के विदेश मंत्री से सार्थक बातचीत कर रहे हैं। पाकिस्तान को पश्तूनावली की सांस्कृतिक चेतना को पहचानना होगा। यही कारण है कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पश्तून अपने आपको पाकिस्तान की बजाय भारत के ज्यादा नजदीक समझता है

अफगानिस्तान की सरकार को किसी भी देश की सरकार ने मान्यता नहीं दी है। चीन सरकार पिछले कुछ अरसे से जरूर उससे पींघे बढ़ा रही थी। पाकिस्तान पिछले लंबे अरसे से अफगानिस्तान को अपने इलाके का पिछवाड़ा मान कर उसके साथ व्यवहार कर रहा था। उसका प्रमुख कारण अफगानिस्तान की भू-राजनीतिक स्थिति कही जा सकती है। अफगानिस्तान पर रूस के हमले ने पाकिस्तान की स्थिति प्रासंगिक बना दी थी। अमेरिका को हर हालत में मध्य एशिया के इस अंतिम देश, जो अभी तक रूस की छत्रछाया में आने से बचा हुआ था, उसको रूस की इस प्रेतछाया से मुक्त करना था। उसे इसके लिए पाकिस्तान का साथ चाहिए था। उसके लिए अमेरिका ने पैसा और हथियार दिया और पाकिस्तान ने पश्तूनों (पठानों) को नए हथियारों का प्रशिक्षण दिया। तालिबान के नाम से पश्तून योद्धाओं की एक नई पौध तैयार हो गई। इसकी तैयारी और प्रशिक्षण में इस्लाम को केन्द्र बनाया गया। यानी रूस के हमले से अफगानिस्तान खतरे में पड गया है। किसी ने यह सवाल नहीं पूछा कि अफगानिस्तान में इस्लाम की रक्षा के लिए आखिर अमेरिका इतना व्याकुल क्यों है? खैर, रूस ने तो अफगानिस्तान को छोड़ दिया। फिर नई सरकार बनी जिस पर आरोप था कि वह अमेरिका की समर्थक है। तालिबान के प्रशिक्षण में जो पाठयक्रम पढ़ाया गया था, उसमें देश की रक्षा के साथ-साथ इस्लाम की रक्षा के भी अध्याय थे। अमेरिका जिस पश्चिमी सभ्यता का रहनुमा है, वह इस्लाम विरोधी है, इसकी भनक भी तालिबान को अब तक लग चुकी थी। इसलिए तालिबान का नया निशाना नई सरकार ही थी। अमेरिका को यह नई सरकार बनानी ही थी ताकि उसका वर्चस्व अफगानिस्तान में बना रहे।

उसे इस देश को नियंत्रण में रखना था, जहां तीन साम्राज्य भारत, चीन और रूस मिलते हैं। अब उसे फिर पाकिस्तान की जरूरत थी। इस बार अफगानिस्तान के शहरों में केवल अमेरिका की फौजें ही नहीं थीं, बल्कि उसके साथ अमेरिका के सहयोगी यूरोप के अन्य देशों की फौजें भी थीं। पाकिस्तान की स्थिति और भी प्रासंगिक हो गई। वह ओसामा बिन लादेन को छिपा भी रहा था और मरवा भी रहा था। तालिबान को भी पाकिस्तान की जरूरत थी। अमेरिका को तो थी ही। लेकिन इस लम्बी लड़ाई में जब हर रोज अमेरिकी सैनिकों के ताबूत वाशिंगटन डीसी में पहुंचने लगे तो अमेरिका के लोग ही नक्शे में अफगानिस्तान की तलाश करने लगे और उसे अमेरिका से इतनी दूर देख कर सवाल करने लगे कि आखिर इतने दूर के देश में हम अपने जिंदा सैनिकों को लाशें में, क्या प्राप्त करने के लिए तबदील कर रहे हैं? इस सवाल का जवाब सरकार के लिए आम जनता को देना मुश्किल था। जब जवाब देना मुश्किल हो गया तो ह्वसैम अंकलह्न ने पश्तूनों के देश से निकल आने का ही फैसला कर लिया। जाहिर है वे सत्ता तालिबान को सौंप कर ही आते। तालिबान से समझौता करने में फिर पाकिस्तान की जरूरत थी। अपने सारे हथियार वहीं छोडकर अमेरिका तो 2021 में काबुल से चला गया। अब राष्ट्रपति अब्दुल गनी की सरकार और तालिबान की सेना आमने-सामने थी। जाहिर है पाकिस्तान तालिबान के साथ था या यूं कहा जा सकता है कि वह अब्दुल की सरकार को उखाडकर पाकिस्तान समर्थक सरकार बनाने का प्रयास कर रहा था। अगस्त 2021 में अब्दुल गनी को भागना पड़ा और काबुल में तालिबान की सरकार बन गई, जिसे पाकिस्तान गलती से अपनी सरकार मानने लगा। अपनी सरकार यानी भारत विरोधी सरकार। दरअसल काबुल की सरकार को वह अपनी सरकार दो कारणों से मान रहा था। पहला कारण तो यह था कि पाकिस्तान ने तालिबान का निर्माण किया था और दूसरा यह कि तालिबान भी इस्लाम की रक्षा के लिए लड़ रहा था और पाकिस्तान का तो जन्म ही इस्लाम की रक्षा के लिए हुआ था। सब देशों ने अपने दूतावास काबुल में बंद कर दिए। भारत ने प्रतीकात्मक रूप से अपना दूतावास बनाए रखा। इस आकलन में इस्लामाबाद शायद एक भूल कर गया। वह भूल डूरंड रेखा को न समझ पाने की थी। ब्रिटिश सरकार भारत से जाने और विभाजित करने से पहले अफगानिस्तान और भारत के मध्य में एक रेखा खींच गई थी, जिसे डूरंड रेखा कहा जाता है। लेकिन पश्तून इस डूरंड रेखा के दोनों ओर रहते हैं। अंग्रेजों के भारत में आने से पहले यह डूरंड रेखा नहीं थी, पश्तून पूरे देश में घूमते थे। कुछ सौ साल पहले इस्लाम स्वीकार करने के बावजूद उनकी सांस्कृतिक चेतना नहीं बदली थी। लेकिन डूरंड रेखा ने उनको बांटने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उसके बाद पाकिस्तान बना कर उन्हें हिंदुस्तान से काट दिया। अब तक के पश्तूनों के हुए सबसे बड़े नेता खान अब्दुल गफ्फार खान, अंग्रेजों की इसी राजनीतिक गुंडागर्दी से लड़ते रहे थे। 1947 के बाद भी उन्होंने पाकिस्तान को स्वीकार नहीं किया, इसलिए पाकिस्तान की जेलों में सड़ते रहे। वे इस्लाम मजहब के पैरोकार होने के बावजूद पश्तूनों की सांस्कृतिक चेतना से नहीं टूट सके।

एक बार मैंने एक पश्तून छात्र से पूछा था, जब आपके यहां दो फरीकों में झगड़ा होता है तो जिरगा (न्याय करने के लिए बैठी पंचायत) में न्याय शरीयत से किया जाता है?

लोकतंत्र को मजबूती देने के लिये मतदाता को जागना होगा

-ललित गर्ग-

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए इस दिवस को मनाने की आवश्यकता महसूस हुई और पहली बार इसे वर्ष 2011 में मनाया गया। इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन दिया जाये। ह्वमतदाता बनने पर गर्व है, मतदान को तैयार हैंह्न जैसे नारों के साथ मतदान दिवस मनाने का मुख्य कारण है कि लोगों को मतदान का महत्व बताया जाए ताकि लोग इसके प्रति जागरूक हो और अपने मत का आवश्यकतरूप से उपयोग करते हुए सही उम्मीदवार को चुने। 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2025 की थीम है ह्वह्ववोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हमह्नह्न ऐसा करके ही लोकतंत्र को मजबूती दी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में इसने मतदान के अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषतः युवा मतदाताओं को पंजीकृत करने, उन्हें मताधिकार का उपयोग करने के लिये अग्रसर और प्रेरित करने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका बनी है। चुनाव आयोग इस मंच का उपयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में योगदान देने वाले अधिकारियों, हितधारकों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए भी करता है। यह लोकतांत्रिक मील का पत्थर बना है और भारत के लोकतंत्र के 78 वर्षों की यात्रा और चुनावी अखंडता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता के लिये इसे जश्न रूप में मनाया जाता है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि ह्वअगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगेह्न इसलिये यह दिवस मतदाता को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षित भी करता है।

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इन सब संकटों से मुक्ति के लिये मतदाता की जागरूकता की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये चुनाव आयोग का आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए है, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग अनेक कारणों नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझभरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें।

इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है और इसमें मुफ्त की रेवडियां बांटने की होड़-सी लगी है। लोकतन्त्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है। राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा-पेंशन, युवाओं को रोजगार देने का वायदा, महिलाओं को नगद राशि एवं मुफ्त बस सफर हो या बिजली-पानी या गैस सिलेंडर। हालात यह हो गए है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके। इससे राज्यों का आर्थिक संतुलन लड़खड़ाता है या वे कर्ज में डूबती है तो इसकी चिन्ता किसी भी दल की सरकार को नहीं है। इस बड़े संकट से उबारने का काम मतदाता ही कर सकता है, वह बिना प्रलोभन, लोभ एवं मुफ्त की सुविधाओं के निष्पक्ष मतदान के लिये आगे आये।

डोनाल्ड ट्रंप के भाषण ने 11 देशों में मचाई खलबली, भारत-चीन भी आ गए लपेटे में

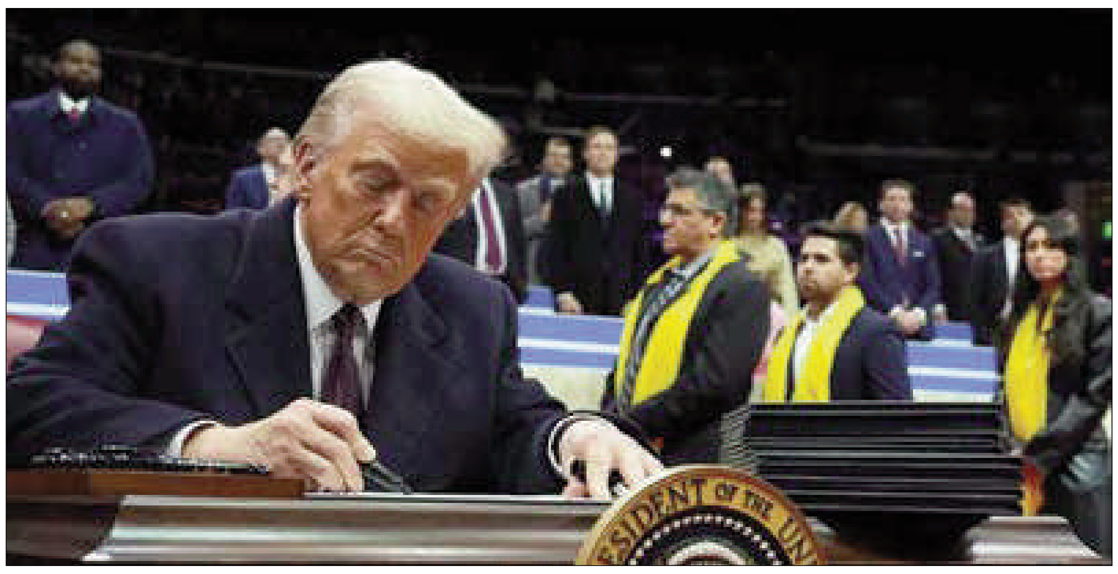

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति पद की कुर्सी पर बैठते ही डोनाल्ड ट्रंप का एक्शन शुरू हो गया है। ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को खुलेआम धमकी दे दी है। उन्होंने कहा कि स्पेन समेत ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। ब्रिक्स में दस देश शामिल हैं। ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात। स्पेन ब्रिक्स का हिस्सा नहीं है। बावजूद वह भी ट्रंप के रडार में है। हालांकि, दिसंबर में ही डोनाल्ड ट्रंप ने इसका इशारा कर दिया था कि वह ब्रिक्स देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। हालांकि, उन्होंने इसके लिए एक शर्त रखी थी। सोमवार को जब डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ ली, तब उन्होंने अपनी पुरानी धमकी को दोहरा दिया। उन्होंने साफ-साफ शब्दों में ब्रिक्स देशों को धमकी दे दी।

भारत और अमेरिका के बीच कारोबार काफी अधिक होता है। आंकड़ों की मानें तो अभी भारत और अमेरिका के बीच सबसे अधिक व्यापार हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार 2023-24 में 118।3 अरब डॉलर रहा। वहीं साल 2021-22 और 2022-23 के दौरान भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार अमेरिका ही था। मगर वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साथी बदल गया। अमेरिका की जगह चीन ने ले ली। चीन 118.4 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। हालांकि, अब भी भारत का चीन के बाद अमेरिका ही सबसे बड़ा कारोबारी साथी है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ब्रिक्स देश अमेरिका विरोधी नीतियां लाते हैं तो उन्हें अंजाम भुगतने को तैयार रहना होगा। वे फिर कभी खुश नहीं रह पाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने दिसंबर महीने में भी कहा था कि अगर ब्रिक्स देशों ने अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोशिश में नई करेंसी लाई तो अमेरिका उन पर 100 फीसदी का टैरिफ लगाएगा। ट्रंप ने कहा था, अगर ब्रिक्स देश ब्रिक्स करेंसी बनाते हैं या डॉलर के मुकाबले दूसरी करेंसी का समर्थन करते हैं तो 100 फीसदी टैरिफ देना होगा और अमेरिका में अपने सामान को बेचने से अलविदा कहना होगा। कोई चांस नहीं कि ब्रिक्स अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की जगह ले। डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी का मतलब है कि भारत भी इसके लपेटे में आएगा। भारत ब्रिक्स का अहम सदस्य है। ट्रंप का बयान इसलिए भी अहम है, क्योंकि कुछ समय पहले यह खबर आई थी कि ब्रिक्स देश अपनी नई करेंसी पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, उस पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं है। अगर ट्रंप की धमकी सही साबित होती है तो ब्रिक्स देशों के लिए बड़ी मुसीबत होगी। ऐसे में भारत के लिए भी अमेरिका से आयात-निर्यात करना बहुत कठिन हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका में दो बसों के बीच टक्कर, अस्पताल में भर्ती हुए 35 से अधिक लोग

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के दक्षिणी प्रांत में रविवार को दो बसों के बीच जोरदार टक्कर हुई है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि इस हादसे के बाद 35 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने पुलिस के हवाले से बताया कि घटना में छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उनका मतारा जिले के मुख्य अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि हादसे के समय बारिश हो रही थी। पुलिस ने हाल ही में बताया कि साल 2020 और 2024 के बीच यातायात दुर्घटनाओं में देश में 12,140 लोगों की जान चली गई है। बसों से जुड़ी दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर श्रीलंका के अधिकारी उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं, जो यात्री बसों में यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। इसके अलावा श्रीलंकाई सरकार ने सड़क हादसों को रोकने और अपराध तथा नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान चलाने के प्रयासों को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त 10,000 पुलिस अधिकारियों की भर्ती को अधिकृत किया है। पुलिस ने हाल ही में बताया था कि साल 2020 से 2024 के बीच सड़क हादसों में 12,140 लोगों की जान चली गई है।

दो साल बाद जॉर्जिया के पॉल्ट्री फॉर्म में बर्ड फ्लू ने दी दस्तक, राज्य में अलर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। 2022 के बाद एक बार फिर अमेरिका के जॉर्जिया में बर्ड फ्लू फैलने की खबर सामने आ रही है। खबर है कि जॉर्जिया के एक बड़े मुर्गी फार्म में बर्ड फ्लू पाया गया है। राज्य के कृषि विभाग ने मामले के बारे में बताया कि यह बीमारी एलबर्ट काउंटी में एक मुर्गी पोल्ट्री फार्म पर पाई गई है जो अटलांटा से लगभग 165 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित है। बता दें कि जॉर्जिया अमेरिका का सबसे बड़ा चिकन उत्पादन राज्य है। मामले की पुष्टि के बाद राज्य में पोल्ट्री से संबंधित सभी गतिविधियां जैसे कि पोल्ट्री प्रदर्शन, शो, और बिक्री को रोक दिया गया है। अब तक, बर्ड फ्लू के मामले छोटे खेतों तक ही सीमित थे, लेकिन अब यह बड़े पोल्ट्री फार्मों में भी फैल गया है। अधिकारी ने बताया कि बर्ड फ्लू का पता तब चला जब वहां करीब 45,000 बेचने के लिए मुर्गे पाले गए थे। हालांकि प्रभावित क्षेत्र के आस-पास के सभी पोल्ट्री फार्मों को क्वारंटाइन में रखा गया है और इन फार्मों पर टेस्टिंग की जा रही है। साथ ही कृषि विभाग ने यह भी बताया कि अब प्रभावित जगह को साफ किया जा रहा है और संक्रमित पक्षियों को हटा दिया जा रहा है। गौरतलब है कि यह बीमारी पिछले दो सालों में दुनियाभर में लाखों पक्षियों की मौत का कारण बन चुकी है। हाल ही में, यू.एस. कृषि विभाग ने जानकारी दी कि पिछले महीने 84 पोल्ट्री फार्मों में यह वायरस पाया गया था, जिसमें लाखों पक्षी संक्रमित हुए थे। हालांकि, बर्ड फ्लू से इंसानों में संक्रमण के मामले बहुत कम होते हैं, और हाल ही में एक व्यक्ति की बर्ड फ्लू से मौत की पुष्टि हुई है।

भारत-अमेरिका संबंध केवल लेन-देन वाले नहीं रहने चाहिए : रिचर्ड वर्मा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग के शीर्ष अधिकारी रिचर्ड वर्मा ने अमेरिका-भारत संबंधों के भविष्य के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों देशों के संबंध साझा मूल्यों पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के संबंध केवल लेन-देन पर आधारित नहीं होने चाहिए। विदेश विभाग में प्रबंधन और संसाधन मामलों के उप विदेश मंत्री वर्मा ने कहा कि वह अमेरिका और भारत के बीच मतभेदों को लेकर चिंतित नहीं हैं, क्योंकि वे संबंधों को और अधिक गतिशील बनाते हैं। पद छोड़ने की तैयारी कर रहे वर्मा ने शुक्रवार को एक साक्षात्कार में कहा, मैं नहीं चाहता कि यह ऐसा लेन-देन वाला संबंध बन जाए, जिसमें हम केवल चीजें बेचना चाहते हों या आप चीजें खरीदना चाहते हैं। रिचर्ड वर्मा पहले भारत में अमेरिका के राजदूत भी रह चुके हैं। बाइडन का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही रिचर्ड वर्मा का कार्यकाल भी समाप्त हो जाएगा। वर्मा बीते ढाई दशकों से भारत-अमेरिका संबंधों में एक अहम योगदानकर्ता रहे हैं। वर्मा ने कहा कि दोनों देश मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं। मैं देखता हूं कि हम किस तरह से तकनीक और खुफिया जानकारी साझा करते हैं। मैं देखता हूं कि हम किस तरह से कुछ सबसे उन्नत प्रणालियों का संयुक्त उत्पादन और विकास करते हैं और हम किस तरह से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा के लिए तैयार हैं।

बाइडन ने अश्वेत राष्ट्रवादी मार्कस गार्वे और 4 अन्य को क्षमा किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को अश्वेत राष्ट्रवादी मार्कस गार्वे को मरणोपरांत क्षमा कर दिया। गार्वे को 1920 के दशक में मेल धोखाधड़ी के लिए दोषी ठहराया गया था और वे मैल्कम एक्स जैसे नागरिक अधिकार नेताओं पर प्रभाव डालने के लिए जाने जाते थे। इसके अलावा, बाइडन ने वर्जीनिया हाउस ऑफ डेलीगेट्स के स्पीकर डॉन स्कॉट, अप्रवासी अधिकार कार्यकर्ता रवि रागबीर, केम्बा स्मिथ प्राडिया, बंदूक हिंसा रोकथाम अधिवक्ता डेरिल चैंबर्स को भी क्षमादान दिया।

हरियाणा: सीआईए डबवाली टीम की कार्रवाई: अवैध पिस्तौल के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रितेश/हरियाणा: डबवाली पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत एक आरोपी को अवैध पिस्तौल 12 बोर सहित गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन के निर्देश और उप पुलिस अधीक्षक कपिल अहलावत के मार्गदर्शन में सीआईए डबवाली की टीम द्वारा की गई। सीआईए डबवाली के प्रभारी उप निरीक्षक राजपाल ने बताया कि उनकी टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली कि एक युवक ठल्र-9 पर अवैध हथियार के साथ खड़ा है और कहीं जाने की योजना बना रहा है। इसके बाद, एएसआई जगजीत सिंह और उनकी टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आरोपी हरप्रीत सिंह उर्फ पीत्ता, पुत्र जगराज सिंह, निवासी गांव किंगरे, जिला सिरसा को अवैध पिस्तौल 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी से जब पिस्तौल के लाइसेंस और परमिट की मांग की गई, तो वह कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इसके बाद, आरोपी के खिलाफ थाना औंढा में शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1इ)(अ) 54/59 के तहत मामला दर्ज किया गया और आरोपी से आगामी पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी।

यह अभियान डबवाली पुलिस के प्रयासों का हिस्सा है, जो अवैध हथियारों के नेटवर्क को तोड़ने और समाज में अपराध की रोकथाम के लिए चलाया जा रहा है। पुलिस टीम अब इस मामले में और अधिक आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

गुजरात: पुलिस ने रिक्शा सवार चोर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार, 6,02,500 रुपये की बरामदगी

विकास सियारिया

गुजरात: आनंद टाउन पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए रिक्शा सवार चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने सोने के आभूषण और नकदी की चोरी की थी। पुलिस ने आरोपियों से कुल 6,02,500 रुपये की संपत्ति बरामद की, जिसमें सोने की चूड़ियां, माला और नकदी शामिल हैं। यह घटना 20 जनवरी 2025 को दोपहर 2 बजे के आसपास आनंद नावा बस स्टैंड के पास हुई। रिक्शा चालक और उसके साथियों ने एक यात्री को अपना शिकार बनाया और 2500 रुपये नकद तथा 4 लाख रुपये कीमत की सोने की चूड़ी और माला चोरी कर ली। इस मामले में आनंद टाउन पुलिस स्टेशन पर धारा 303(2.54) के तहत अपराध दर्ज किया गया। आनंद जिला पुलिस अधीक्षक श्री नाव ने संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष निर्देश दिए थे। उनके मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक श्री जे.एन. आनंद और आनंद टाउन पुलिस स्टेशन के अधिकारियों, जैसे कि डी. झाला और श्री एन. बी. डोडिया ने जांच शुरू की। आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने चोरी की सारी संपत्ति बरामद कर ली है। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस प्रशासन की सराहना की जा रही है, और इस सफलता के बाद आनंद जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाने की उम्मीद जताई जा रही है।पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और विश्वसनीय मुखबिर से प्राप्त जानकारी के आधार पर चार आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों से बरामद वस्तुओं में सोने की चूड़ी (कीमत 4,00,000 रुपये) और नकद राशि (2500 रुपये) के अलावा एक सीएनजी रिक्शा भी शामिल था, जिसकी कीमत 2,00,000 रुपये है।

उत्तर प्रदेश: पश्चिम शिवसेना ने बाला साहेब ठाकरे की जयंती पर उपजिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: रामपुर मनिहारान जिला सहारनपुर उत्तरप्रदेश पश्चिम शिवसेना शिंदे गुट के जिला प्रमुख सोनू तोमर एंव मण्डल उपाध्यक्ष शिव कुमार सक्सेना के नेतृत्व में बाला साहेब ठाकरे की जयंती पर शिव मंदिर शहरी पुल देहली सहारनपुर हाईवे पर एक पदयात्रा का आयोजन किया गया। और प्रधानमन्त्री जी के नाम ज्ञापन उपजिलाधिरी को सौंपने का निर्णय लिया गया। सभी शिवसैनिक दिल्ली रोड से होते हुए थाना रामपुर मनिहारान,देवबंद रोड सरकारी अस्पताल के सामने से होकर तहसील रामपुर मनिहारान के परिसर में पहुंचे और उन्होंने वहां जाकर उपजिलाधिकारी तहसील रामपुर मनिहारान को एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में शिवसैनिकों ने समस्याओं का ब्यौरा देते हुए उपजिलाधिकारी को मौखिक तौर पर भी कई समस्याएं बताई। ज्ञापन के द्वारा बताया गया कि हिंदुत्व के पुरोधा श्रद्धेय बाला साहेब ठाकरे जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुविधापूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करायी जाए। शिवसेना शिंदे गुट के शिवसैनिकों व अन्य हिंदु संगठनों के जिला एंव जिला स्तर से ऊपर के पदाधिकारियों की गाड़ियों को टोल प्लाजा पर टोल टैक्स मुक्त कराया जाए। भारत में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। पूजनीय एंव वंदनीय गाय माता को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए। ज्ञापन में कहा गया कि शिवसैनिकों की भावनाओं को समझते हुए हमारी मांगों को स्वीकार किया जाए सभी शिवसैनिक आपके आभारी रहेंगे। शिवसेना के जिला प्रमुख व अन्य ने उपजिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया कि, बड़गांव में मिले तीन गोवंश के अवशेषों पर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाये।

आधार कार्ड से संबंधित हो रही आधार कार्ड बनवाने हेतु आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इस संबंध में अवगत कराया कि पहले की तरह ही बैंकों व अन्य जन सेवा केंद्रों पर भी आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया उपलब्ध कराई जाए।

बाजार को लेकर नगर में साप्ताहिक बंदी प्रभावी रूप से लागू की जाए, और नगर में बढ़ रहे अतिक्रमण को भी अभियान के तहत पूर्ण रूप से ध्वस्त किया जाए। इस दौरान सोनू तोमर जिला प्रमुख शिवसेना,शिवकुमार सक्सेना मंडल उपाध्यक्ष, विजेंद्र संवई जिला सचिव, ब्लॉक प्रमुख सागर पंवार घाटेडा,ब्लॉक उप प्रमुख अंकित पंवार, विकास राणा, विशाल, अंकित शर्मा,कार्तिकेय गुप्ता सूभरी ब्लॉक नानौता,वरुण कुमार, तहसील महासचिव देवी सिंह, नितिन कुमार, सर्जन कुमार, विकास कोरी, मनु राणा,सार्थक गुप्ता, आयुष पंवार,अश्विन धीमान, मयंक, मनीष कुमार, अर्पित पंवार, सागर पंवार, गोविंद सैन, गुरमीत कोरी, बंटी कोरी, सौरभ कोरी, सुशील सैन, अजय कोरी, देव पंवार, वंश पंवार, रक्षित पंवार उदित कुमार, लक्ष्य पंवार, अभिषेक कुमार, संजू, प्रवीण कोरी, अजय कोरी, दिशू कोरी आदि लोग मौजूद रहे।

गुजरात: आनंद महानगरपालिका को मिली नई पहचान, नया लोगो हुआ चयनित

राजपूत रणजीत

गुजरात: आनंद नगर पालिका को अब एक नई पहचान मिल गई है। हाल ही में, आनंद नगर पालिका के लिए नया लोगो चयनित किया गया है, जो शहर की विशिष्ट पहचान और समृद्ध इतिहास को प्रदर्शित करता है। इस लोगो का केंद्र देश की एकता, अखंडता और सद्भाव के प्रतीक सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत को दर्शाता है।

नए लोगो का डिजाइन एमएस डिजाइन स्टूडियो, राजकोट के डिजाइनर श्री मनोज सोंडागर द्वारा किया गया है, जो इस डिजाइन प्रतियोगिता में विजेता रहे थे। प्रतियोगिता में 500 से अधिक कलाकारों ने भाग लिया, जिनमें से श्री सोंडागर का लोगो चयनित हुआ। आनंद नगर निगम (एएमसी) का यह नया लोगो शहर की विशिष्ट पहचान, योगदान, विरासत और विकास को प्रदर्शित करता है। लोगो के गोलाकार आकार को एकता और पूर्णता का प्रतीक माना जाता है, जबकि सूर्य की किरण जैसा बाहरी डिजाइन प्रगति और खुशहाली की दिशा में यात्रा का संकेत है।

आनंद नगर निगम (एएमसी) के आयुक्त श्री मिलिंद बापना ने इस नए लोगो को शहर के विकास और पहचान के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा, "आनंद महानगरपालिका का नया लोगो शहर को एक नई पहचान देगा और इसके समृद्ध इतिहास और भविष्य को प्रदर्शित करेगा। आनंद नगर पालिका को हाल ही में महानगर पालिका का दर्जा दिया गया है, और यह नया लोगो शहर को और भी विशेष बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।लोगो में नीले रंग का उपयोग विश्वास, स्थिरता और शासन को दर्शाता है, जबकि सफेद रंग श्वेत क्रांति, पारदर्शिता और सादगी को प्रतीकित करता है।

महाराष्ट्र: गडचिरोली में लॉयड मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड का औद्योगिक प्रक्षेत्र विस्तार

महेश पांडुरंग शिंडे

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र राज्य के गडचिरोली जिले में लॉयड मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड (छटएछ) द्वारा कोनसरी में लोहखनिज प्रकल्प के विस्तार के लिए आयोजित जन सुनवाई का कार्यक्रम बड़े धूमधाम और शांति के साथ सम्पन्न हुआ। इस सुनवाई में जिला के सभी गांवों के लोगों ने परियोजना का स्वागत किया और साथ ही स्थानीय रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं की मांग की। इस सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों द्वारा पर्यावरणीय प्रभाव और प्रदूषण नियंत्रण उपायों पर भी चर्चा की गई। कंपनी ने इलेक्ट्रिक वाहनों की उपलब्धता और प्रदूषण नियंत्रण उपायों के बारे में जानकारी दी, ताकि उद्योग विस्तार के साथ-साथ पर्यावरण पर प्रभाव को न्यूनतम किया जा सके। इस जन सुनवाई में प्रमुख रूप से लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड के टऊ श्री बी. प्रभाकरन, गडचिरोली के जिलाधिकारी श्री अविश्यांत पंडा, पद्मश्री डॉ. परशुराम खुणे, अहेरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री धर्मराव बाबा आत्राम, गडचिरोली के विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे, माजी सांसद श्री अशोक नेते, माजी विधायक डॉ. देवराव होळी, और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल चंद्रपूर विभाग के प्रादेशिक अधिकारी श्री तानाजी यादव सहित कई अन्य मान्यवर उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानिक लोगों की रोजगार संबंधी समस्याओं को प्राथमिकता दी गई। कंपनी के ढफ्द, श्री सारंग पुणेकर ने बताया कि जल्द ही इन समस्याओं का समाधान किया जाएगा और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। इस महत्वपूर्ण जन सुनवाई ने गडचिरोली जिले में एक नई उम्मीद और विकास की दिशा को जन्म दिया है, जो नक्सल प्रभावित इस क्षेत्र के लिए सकारात्मक परिवर्तन की संभावना प्रदान करता है।लॉयड मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड का यह प्रक्षेत्र विस्तार गडचिरोली जिले में औद्योगिक विकास की शुरूआत है, जो बढ़ती बेरोजगारी को देखते हुए विशेष महत्व रखता है।

ट्रेन में करोड़ों का माल भूले लोग, अब ढूंढकर सामान पहुंचा रहा आरपीएफ

- पिछले वर्ष आरपीएफ ने 6.6 करोड़ का सामान वापस किया

नई दिल्ली।

ट्रेन में सफर के दौरान कई यात्री अपना सामान भूल जाते हैं। इसमें कई बार ऐसा सामान भी होता है तो जो कीमती होता है। यात्रियों को लगता है कि चलती ट्रेन में या स्टेशन में छूटा सामान वापस मिलने वाला नहीं है। इसलिए लोग कहीं पर संपर्क भी नहीं करते हैं लेकिन क्या आपको पता है कि ट्रेन या स्टेशन में खोया सामान भी वापस मिल सकता है। स्वयं आरपीएफ यात्रियों का खोया उन्हें ढूंढ़ ढूंढ़कर सामान लौटा रहा है। पिछले वर्ष आरपीएफ ने 6.6 करोड़ का सामान वापस किया है। कई बार यात्री ट्रेन चढ़ने या उतरने में हड़बड़ी करते हैं या फिर कई बार स्टेशन छोड़ने समय जल्दबाजी में कुछ सामान वहीं छूट जाता है। ट्रेन पर बैठने या उतरने के बाद जब वो लगेज चेक करते हैं तो पता चलता है कि फलां सामान छूट या है। इस तरह का सामान बरामद करने के लिए आरपीएफ ऑपरेशन 'अमानत' चलाता है। आरपीएफ खोए हुए सामान को वापस मालिक तक पहुंचाने के लिए ऑपरेशन अमानत चलाता है। इसके माध्यम से आरपीएफ ट्रेन या स्टेशन में यात्रियों के खोए हुए सामानों का पता लगाता है और सुनिश्चित करता है कि वे उनके असली मालिकों को वापस कर दिए जाएं। 2024 में, 6.67 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सामान लगभग 2200 असली मालिकों को लौटा दिए गए। इस तरह अगर आपका भी सामान ट्रेन या स्टेशन में छूट जाए तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। रेलवे के अनुसार अगर आपका कोई सामान ट्रेन या स्टेशन में छूट जाता है तो आपको आरपीएफ से संपर्क कर अपने सामान की जानकारी देनी चाहिए। आरपीएफ को ऑपरेशन अमानत के तहत अगर यह सामान कहीं से बरामद होता है तो वापस मिल सकता है। इसके लिए अब आपको जरूरी औपचारिकता करनी होगी।

रोजगार के मोर्चे पर खुशखबरी: ईपीएफओ में बढ़ोतरी

- ईपीएफओ से नवंबर में जुड़े 14.63 लाख मेंबर्स

नई दिल्ली ।

रोजगार के मोर्चे पर एक शानदार खुशखबरी आई है, जो आम लोगों के जीवन में नया उत्साह भर रही है। भारत के प्रमुख रिटायरमेंट फंड बॉडी, ईपीएफओ ने पिछले साल नवंबर में 14.63 लाख नए मेंबर्स को अपने नेटवर्क में शामिल किया है, जो एक साल में 4.88 फीसदी की वृद्धि है। श्रम मंत्रालय ने इस वृद्धि को स्वीकारते हुए बताया कि ईपीएफओ की प्रभावी पहुंच और सक्षम प्रयासों के बदलाव से यह मुमकिन हुआ है। मंत्रालय ने आंकड़ों पर ध्यान दिया कि 18-25 आयु वर्ग का अहम योगदान है। इस आयु वर्ग में भी 4.81 लाख नए मेंबर्स जुड़े हैं, जिससे समय के साथ छात्रों की भी दरमियानी से सरकारी नौकरियों की ओर दिशा बढ़ रही है। डेटा के अनुसार नवंबर 2024 में जुड़े नए मेंबर्स में से लगभग 2.40 लाख महिलाएं हैं, जो महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण साबित होता है। राज्यवार विश्लेषण से पता चलता है कि महाराष्ट्र जैसे राज्यों में इस वृद्धि का सबसे बड़ा योगदान है। इस सुधार से स्पष्ट है कि रोजगार के क्षेत्र में नए उत्थान की दिशा में वीरों एक नया पल आया है। ईपीएफओ की इस बढ़ती आपूर्ति के साथ, देश के अर्थव्यवस्था में भी नया जीवन फूंका जा रहा है।

सरकार को बजट में संरचनात्मक सुधारों के लिए राजनीतिक पकड़ का उपयोग करना चाहिए: सुब्बाराव

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी. सुब्बाराव ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 3.0 सरकार को वृद्धि तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए आगामी बजट में राजनीतिक रूप से कठिन संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिए अपनी विशाल राजनीतिक पकड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट संसद में पेश करेंगी। यह बजट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं तथा धीमी पड़ती घरेलू वृद्धि के बीच आ रहा है। सुब्बाराव ने एक साक्षात्कार में कहा` कि यह राजग 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट है और इसे राजनीतिक रूप से कठिन संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिए अपनी विशाल राजनीतिक पकड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बजट का प्राथमिक उद्देश्य अर्थव्यवस्था को टिकाऊ बनाना तथा उच्च वृद्धि पथ पर लाना है। सुब्बाराव ने कहा, लेकिन केवल वृद्धि से काम नहीं चलेगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वृद्धि का लाभ व्यापक रूप से सभी तक पहुंचे यानी हमें असमानता कम करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के निचले तबके की आधी आबादी का विशाल उपभोग आधार देश की वृद्धि का सबसे बड़ा चालक है। सुब्बाराव ने कहा` कि निचले आधे हिस्से में उपभोग बढ़ाने का एकमात्र स्थायी तरीका

रोजगार सृजन है। यदि वे अधिक कमाएंगे, तो वे अधिक खर्च करेंगे, जिससे अधिक उत्पादन, अधिक रोजगार तथा उच्च वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

ईवी में भरोसा बढ़ाने मारुति किराये पर देगी पेट्रोल कार

टॉप 100 शहरों में हर 5 से 10 किलोमीटर पर फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की भी योजना

मुंबई ।

मारुति सुजूकी ने अपनी इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा को बाजार में उतारने से पहले चार्जिंग व्यवस्था और सर्विस नेटवर्क का व्यापक विस्तार करने का ऐलान किया है। यह कार 500 किलोमीटर तक चलने का क्षमता होगी और 2,700 मिलीमीटर लंबे व्हीलबेस के साथ आएगी। इसके साथ ही कंपनी पुराने जमाने की सोच को तोड़कर ग्राहकों को सुविधा प्रदान करने के लिए कई नई योजनाएं लेकर आ रही है। इसमें एक हाइब्रिड कार किराए पर देने का प्रस्ताव भी शामिल है, जो ईवी ग्राहकों को लंबी या बहुत दूरी तक की यात्रा के लिए विकल्प प्रदान करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि ईवी सिलसिले में ग्राहकों को जितनी सुविधाएं मिल सकती हैं, उतनी ही सरल और आसानी से मिलनी चाहिए। उन्होंने उज्जवल भविष्य की कल्पना करते हुए कहा कि हम ईवी को खरीदने वाले ग्राहकों को पहली कार के रूप में महसूस कराना चाहते हैं। इस निर्धारित राह को आगे बढ़ाते हुए मारुति सुजूकी ने विभिन्न शहरों में 1,000 सर्विस वर्कशॉप को ईवी कारों के लिए तैयार करने का भी ऐलान किया है। कंपनी ने टॉप 100 शहरों में हर 5 से 10 किलोमीटर पर फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना करने की भी योजना बनाई है। इन सब उपायों से मारुति सुजूकी का उद्देश्य है ग्राहकों को सुरक्षित और सुखद ईवी यात्रा का अनुभव करवाना, ताकि उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी होने की भावना में एक उत्कृष्ट माध्यम मिले।

कंपनी ने जो दिशा में कदम बढ़ाया है, यह स्पष्ट दर्शाता है कि भावनात्मक सहयोग और आधुनिक तकनीक का सही संयोजन हमें समृद्धि की ओर ले जा सकता है।

नोएडा प्लांट में भी बनेंगे गैलेक्सी एस25 सीरिज के स्मार्टफोन: सैमसंग

- सैमसंग की भारतीय बाजार में अपनी पकड़ जमाने की योजना

नई दिल्ली ।

साउथ कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज कंपनी सैमसंग ने अपने नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी एस 25 सीरीज लॉन्च की है। अमेरिका के सैन जोस में आयोजित इवेंट में इस सीरीज की घोषणा की गई और इसमें गैलेक्स एस25 अल्ट्रा, एस25+ और एस25 मॉडल शामिल हैं। यह स्मार्टफोन भारत के नोएडा स्थित सैमसंग प्लांट में भी बनाया जाएगा। गैलेक्सी एस25 सीरीज की कीमत 800 डॉलर (करीब 66,000 रुपये) से शुरू होकर अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रस्तुत हो रही है। इस लॉन्च से सैमसंग ने भारतीय बाजार में अपनी पकड़ जमाने का मिशन तय किया है। सीरीज को विकसित करने में सैमसंग के बेंगलुरु स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर ने सहयोग किया है। इस सेंटर ने एआई क्षमताओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसे साउथ कोरिया के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा आरएंडडी सेंटर बना दिया है। सैमसंग की उम्मीद है कि इस नई सीरीज स्मार्टफोन बाजार में एक नया दौर खोलेगा और स्मार्टफोन कंपनियों के बीच मुकाबला औरत बढ़ाएगा। यह सीरीज फिचर्स में कस्टमाइज्ड स्नैपड्रैगन 8 एलीट मोबाइल प्लेटफॉर्म फॉर गैलेक्सी को समेत लेकर आता है, जो एआइ फीचर्स के लिए बेहतर प्रोसेसिंग परफार्मेंस प्रदान करता है। इस सुपर-प्रीमियम स्मार्टफोन सीरीज की ग्लॉबल लॉन्चिंग ने उम्मीदों को उच्च कीमत, तकनीकी नवाचार और शानदार डिज़ाइन की उम्मीद दी है। सैमसंग की गैलेक्सी एस25 सीरीज एक नया मील का पत्थर बन सकती है।

मारुति ब्रेजा को प्रमोट करते दिखाई देंगे कार्तिक आर्यन

मुंबई । मारुति सुजुकी इंडिया ने बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन को अपनी प्रमुख कॉम्पैक्ट एसयूवी, मारुति ब्रेजा का नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह घोषणा भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 के दौरान की गई। कार्तिक को ब्रेजा के साथ जोड़कर कंपनी ने युवाओं को आकर्षित करने और गाड़ी की डाइनैमिक इमेज को और मजबूत करने की रणनीति पर काम किया है। मारुति ब्रेजा को 2016 में लांच किया गया था, और यह तब से कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक प्रमुख खिलाड़ी बनी हुई है। अब तक इसकी 12 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। 2024 में 1,88,160 यूनिट्स की बिक्री के साथ ब्रेजा ने बाजार में सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी का दर्जा हासिल किया। इसका मुकाबला टाटा नेक्सन, हुंडई वेन्यू और किआ सोनेट जैसी गाड़ियों से है। ब्रेजा 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आती है, जो कि 101.64 बीएचपी पावर और 136.8 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। ब्रेजा में 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स विकल्प मौजूद हैं। इसके साथ मारुति की स्मार्ट-हाइब्रिड तकनीक भी है, जो माइलेज और पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।

अमेजान ने सात गोदाम बंद करने का किया ऐलान, 1700 नौकरियां खतरे में

मुंबई । ऑनलाइन रिटेलर अमेजन ने कहा कि वह आने वाले दो महीने में कनाडा के क्यूबेक में अपने सभी सात गोदामों को बंद कर देगा। अमेजन का कहना है कि इस फैसले के बाद लंबे समय तक उनके कस्टमर्स की बचत होगी। हालांकि, कनाडाई संघ ने अमेजन पर आरोप लगाया है कि उसने क्षेत्र में अपनी कोशिशों को रोकने के कारण गोदामों को बंद करने का निर्णय लिया है। संघ ने यह भी कहा कि उन्होंने एक गोदाम को सफलतापूर्वक संघबद्ध किया है। अमेजन के अनुसार, इस फैसले से ग्रेटर मॉन्ट्रियल क्षेत्र में लगभग 1,700 लोगों की नौकरियां प्रभावित होंगी, जिनमें से 250 कर्मचारी अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। अमेजन की तरफ से जानकारी दी गई कि पैकेज को बांटने के लिए स्थानीय और तीसरे पक्ष की कंपनियों को नियुक्त करेगा। अमेजन की ओर से 2020 से पहले क्यूबेक में जिस बिजनेस मॉडल को फॉलो किया गया था, वो उसे फिर से इस्तेमाल करेगा। अमेजन एक प्रवक्ता के मुताबिक ये फैसला यूं ही नहीं लिया गया। उन्होंने बताया कि इस फैसले के बाद प्रभावित कर्मचारियों को एक पैकेज दिया जाएगा। इस पैकेज में सुविधाओं के बंद होने के बाद 14 हफ्ते तक का वेतन दिया जाएगा। साथ ही नौकरी प्लेसमेंट संसाधनों जैसे लाभ को भी इसमें शामिल किया गया है।

स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स का शेयर 33 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स का शेयर अपने निर्गम मूल्य 90 रुपये से 33 प्रतिशत उछाल के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई तथा एनएसई पर शेयर की शुरुआत 120 रुपये पर हुई, जो निर्गम मूल्य से 33.33 प्रतिशत की बढ़त` दिखाता है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन बीएसई पर 999.42 करोड़ रुपये और एनएसई पर 999.50 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के ओ खिरी दिन पिछले सोमवार को 188.38 गुना अभिदान मिला था। रेफ्रिजरेंट्स आपूर्तिकर्ता स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स का 199.45 करोड़ रुपये का आईपीओ 1.78 करोड़ नए शेयर और 43.02 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन था। इसके लिए 85-90 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

वॉलमार्ट ने भारत की स्टार्टअप कंपनियों के साथ किया समझौता

वाशिंगटन । खुदरा क्षेत्र की अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी वॉलमार्ट ने भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए शुरुआती स्तर के रणनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा की है। यह कंपनी ने पुणे स्थित केबीकोल्स साइंसेज, चेन्नई स्थित ग्रीनपॉड लैब्स और बेंगलुरु स्थित क्रॉपिन के साथ सहयोग करने का निश्चय किया है। वॉलमार्ट के उपाध्यक्ष ने इस उद्देश्य को बताते हुए कहा` कि प्रौद्योगिकी नवाचार ही है जो वैश्विक स्तर पर मजबूत आपूर्ति श्रृंखला को आगे बढ़ाने के लिए वास्तविक दुनिया के समाधानों को प्रेरित करती है। यह साझेदारी समर्थन करने वाली यह स्टार्टअप कंपनियाँ वॉलमार्ट की आपूर्ति श्रृंखलाओं में नवाचार लाने में मदद करेंगी और वॉलमार्ट को उनके समाधानों की प्रेरणा मिलेगी। यह साझेदारी भारतीय बाजार में नए उद्यमियों के लिए एक बड़ी संधि की ओर कदम बढ़ाती है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर 450 एक्स का नया संस्करण पेश, दो बैटरी विकल्पों में उतारा

मुंबई ।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में एथर एनर्जी ने अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर 450 एक्स का नया संस्करण पेश किया। स्कूटर में कई तकनीकी सुधार और फीचर अपग्रेड किए हैं, जो इस स्कूटर को पहले से ज्यादा आकर्षक और उपयोगी बनाते हैं। एक्सपो में पेश मॉडल इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में एथर की मजबूत स्थिति को और सुदृढ़ करने के लिए तैयार है। एथर 450 एक्स को दो बैटरी विकल्पों में उतारा गया है। 2.9 किलोवॉट प्रतिघंटा बैटरी वाला वेरिएंट 126 किलोमीटर की रेंज देता है, जबकि 3.7 किलोवॉट प्रतिघंटा बैटरी वाला वेरिएंट 161 किलोमीटर तक की रेंज देता है। इनकी कीमत क्रमशः 1.75 लाख और 1.85 लाख रखी गई है। स्कूटर में नया टच स्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जोड़ा गया है, जिससे यूजर्स को बेहतर इंटरफेस का अनुभव मिलेगा। इसके अलावा, इसमें इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए सिम पोर्ट और एक विशेष इमरजेंसी बटन दिया है। यह बटन तीन बार दबाने पर राइडर की लाइव लोकेशन पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजता है, जो सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी सुविधा है। प्रो पैक वेरिएंट में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, गूगल मैप्स इंटीग्रेशन, ऑटो-होल्ड और फाइंड माई स्कूटर जैसे उन्नत फीचर्स शामिल हैं। इसके अलावा, स्कूटर चार नए रंग विकल्पों–लूनर ग्रे, ट्रू रेड, हाइपर सैंड, और अन्य शेड्स में उपलब्ध होगा। डिजाइन में बड़े बदलाव नहीं किए गए हैं, लेकिन सस्पेंशन ट्यूनिंग और एडवांस्ड राइडिंग मोड्स को बेहतर बनाया गया है। एथर 450 एक्स का यह नया संस्करण लंबी रेंज, प्रीमियम फीचर्स और सुरक्षा के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में एक नई दिशा तय करने के लिए तैयार है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो, आईटी, सीमेंट और कुछ हेल्थकेयर स्टॉक्स में तेजी से आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान घरेलू कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणाम कमजोर रहने की आशंका व डोनल्ड ट्रंप के टैरिफ शुल्क बढ़ाने की योजना से बाजार की तेजी पर कुछ हद तक अंकुश भी लग गया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज करोबार के अंत में 115.39 अंक करीब 0.15 फीसदी बढ़कर 76,520 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 50 अंक तकरीबन 0.22 फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,205 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्रा सीमेंट्स 7 फीसदी उछलकर बंद हुआ। जोमैटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सनफार्मा, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाइटन, टाटा स्टील, आईटीसी, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स के शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं पावर ग्रिड , कोटक बैंक, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, एलएन्डटी और टीसीएस के शेयरों में गिरावट रही। आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और कमोडिटी शेयरों में जोरदार खरीदारी के कारण घरेलू बाजार में उत्साह का माहौल रहा।

दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो टोक्यो और शंघाई के बाजारों में बढ़त रही जबकि हांगकांग और सियोल के बाजार नीचे आये।

यूरोपीय बाजारों में भी बढ़त रही। अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस तेजी के साथ बंदु हुए थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार

गिरावट में खुले हालांकि बाद में वापसी करते हुए शेयर बाजार हरे निशान में लौट गए।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 86.43 रुपये पर बंद हुआ। वहीं सुबह रुपया गुरुवार के कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट के साथ 86.46 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 86.52 प्रति डॉलर पर आ गया। हालांकि, शेयर बाजार में तेजी आने से इसमें कुछ सुधार हुआ और यह बुधवार के बंद स्तर से पांच पैसे की गिरावट के साथ 86.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.35 पर बंद हुआ था।

ड्राई फूट्स व्यापारियों की मांग, जीएसटी घटाकर 5 फीसदी किया जाए

नई दिल्ली । देश के ड्राई फूट्स व्यापारियों की इकाई नट्स एंड ड्राई फूट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एनडीएफसी) ने सरकार से कई महत्वपूर्ण अनुरोध किए। एनडीएफसी ने अखरोट के आयात शुल्क को प्रति किलोग्राम के आधार पर युक्तिसंगत बनाने, जीएसटी को घटाकर पांच प्रतिशत करने और इस क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना शुरू करने की मांग की है। काउंसिल के अनुसार भारत का मेवे का बाजार 18 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर से बढ़ रहा है और यह 2029 तक 12 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो: 1,500 से अधिक कंपनियों ने लिया भाग, 200 से अधिक नए और मौजूदा उत्पादों का देखा

एक्सपो में इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे

मुंबई ।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का भव्य समापन हुआ। भारत मंडपम, यशोभूमि, और ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में आयोजित प्रदर्शनी में 1,500 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया। करीब 8 लाख दर्शकों ने वाहन, कलपुर्जा और प्रौद्योगिकी खंडों में प्रस्तुत किए गए 200 से अधिक नए और मौजूदा उत्पादों का देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जनवरी को केंद्रीय मंत्रियों और वाहन उद्योग के दिग्गजों की मौजूदगी में एक्सपो का उद्घाटन किया। इस बार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा लांच किया, जो भारत में निर्मित होकर 100 से अधिक देशों में निर्यात होगा। हुंदै मोटर इंडिया ने क्रेटा इलेक्ट्रिक पेश की, जबकि विनफास्ट (वियतनाम) और बीवाईडी (चीन) ने भी अपने ऑटोमोबाइल उत्पाद प्रदर्शित किए।

आयोजन ने परिवहन क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला–वाहन निर्माता, कलपुर्जा निर्माता, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, बैटरी निर्माता और सॉफ्टवेयर फर्मों को एक छत के

नीचे लाने का काम किया। इसका मुख्य उद्देश्य टिकाऊ परिवहन और प्रौद्योगिकी नवाचार को बढ़ावा देना था।

वाहन निर्माताओं के संगठन सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने बताया यह आयोजन टिकाऊ परिवहन पर उद्योग के फोकस को दिखाता है। वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि सभी पक्षों के सुझावों पर विचार किया जाएगा।

इंडिया-इंग्लैंड टी-20:

भारत की निगाह शमी की फिटनेस और विजय अभियान जारी रखने पर

चेन्नई, एजेंसी। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को चल रही चिताओं के बीच भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पहले मैच का प्रदर्शन दोहरा कर विजय अभियान जारी रखने के उद्देश्य के साथ मैदान पर उतरेगी। भारत ने बुधवार को कोलकाता में पहला मैच सात क्रिकेट से जीत कर पांच मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की थी। भारतीय टीम निश्चित तौर पर शमी को मैदान पर उतारना चाहेगी लेकिन यह सब कुछ उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

भारत को हालांकि पहले मैच में इस 34 वर्षीय तेज गेंदबाज की कमी नहीं खली। इस मैच में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन करके भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ईडन गार्डस की पिच से तेज और स्पिन गेंदबाजों को पर्याप्त मदद मिल रही थी लेकिन यहां चेपक स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को और अधिक मदद मिलने की संभावना है। ऐसी परिस्थितियों में वरुण, उप कप्तान अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई का अंतिम एकादश में बने रहना तय है।

इंग्लैंड की तरफ से अनुभवी स्पिनर आदिल रशीद और लियम लिविंगस्टोन भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश करेंगे। जहां तक उसके तेज गेंदबाजों का सवाल है तो पहले मैच में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के सामने जोफ्रा आर्चर को छोड़कर उसका कोई भी गेंदबाज नहीं चल पाया था। अभिषेक और सैमसन ने पहले मैच में भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी तथा यह दोनों एक बार फिर से उसे दोहराना चाहेंगे। पिछले छह मैच में तीन शतक बनाने वाले सैमसन लंबी पारी नहीं खेल पाए थे लेकिन अभिषेक ने 34 गेंद पर 79 रन की तूफानी पारी खेली थी।

सैमसन यहां पहले मैच की भरपाई करना चाहेंगे। अभिषेक और सैमसन की सलामी जोड़ी को अगर अगले साल भारत में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपना दावा मजबूत रखना है तो उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। इंग्लैंड भी अपने सलामी बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। पहले मैच में फिल साल्ट और बेन डकेट दोनों ने मिलकर कुल सात गेंद का सामना करके चार रन बनाए थे। भारत को कप्तान सूर्यकुमार यादव से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी जो पिछले मैच में जल्दी आउट हो गए थे।

असल में सूर्यकुमार पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद 11 पारियों में केवल दो अर्धशतक लगा पाए हैं। भारत की अपनी अंतिम एकादश में खास बदलाव करने की संभावना नहीं है। अगर शमी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए फिट हो जाते हैं तो उन्हें नीतीश कुमार रेड्डी की जगह टीम में लिया जाएगा। जहां तक इंग्लैंड का सवाल है तो यहां की परिस्थितियों को देखकर वह युवा स्पिनर रेहान अहमद को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है।

संभावित प्लेइंग 11:

इंग्लैंड : फिल साल्ट (विकेट कीपर), बेन डकेट, जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रुक, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड

भारतः अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती

समयः मैच शाम 7 बजे शुरू होगा।

रणजी ट्रॉफी:

रोहित वापसी के दूसरे प्रयास में भी फेल

मुंबई, एजेंसी। रोहित शर्मा की रणजी ट्रॉफी में वापसी कुछ खास नहीं रही और दूसरी पारी में भी वह कमाल नहीं दिखा पाए। भारतीय कप्तान ने उमर नजीर की गेंद पर छक्का लगाया और फिर औकीब नबी तथा युद्धवीर सिंह की गेंदों पर आसानी से दो और शॉट लगाकर अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी की झलक दिखाई। लेकिन आखिरकार 28 रन पर उनकी पारी का अंत हुआ। इस दौरान उन्होंने 35 गेंदें खेली जिसमें 2 चौके और 3 छक्के शामिल थे।

दशक में मुंबई के लिए घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में अपना पहला मैच खेल रहे रोहित का पहला दिन बहुत खराब रहा, जब 37 वर्षीय यह खिलाड़ी जम्मू कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के शुरुआती घंटे में 19 गेंदों पर 3 रन बनाकर आउट हो गए। शुक्रवार को रोहित ने खुद को बेहतर साबित करते हुए 28 रन की शानदार पारी खेली जो पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट की दूसरी पारी में 52 रन बनाने के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रोहित ने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार मैचों में 0, 8, 18, 11, 3, 6, 3 और 9 रन बनाए हैं। अक्टूबर के मध्य में भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका में शीर्ष पर था और राष्ट्रीय टीम के लिए घर पूरी तरह से व्यवस्थित था। लेकिन न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद यह सब बिखर गया जिसने भारतीय सुपरस्टार्स को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए मजबूर कर दिया।

शुक्रवार को, वह एक बड़ी पारी की तलाश में थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रोहित की 28 रनों की पारी में शुरुआती दौर में हिट और मिस दोनों शामिल थे जो चौथे ओवर में नजीर द्वारा छोड़े गए एक मुश्किल मौके से शुरू हुआ, जब वह अपने फॉलो थ्रू पर रिटर्न कैच नहीं पकड़ सके। रोहित ने तुरंत स्क्वायर लेग पर छक्का लगाने के लिए पुल शॉट के साथ जवाब दिया। एक मोटा बाहरी किनारा फिर गली और दूसरी स्लिप में फील्डर के बीच से उड़ गया और अंतिम गेंद पर रोहित ने जोरदार और वाइड शॉट लगाया और गेंद को ऑफ-साइड पर एक और चौका लगा दिया।

रोहित ने एक समय 11 गेंदों पर 21 रन बना लिए थे लेकिन वे ज्यादातर समय सतर्क रहे, हालांकि कुछ मौकों पर वे रन बनाने में विफल रहे।

विराट कोहली फिर से बनेंगे आरसीबी के कप्तान?

ये नाम भी रेस में है शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब तक एक भी बार आईपीएल का खिताब नहीं जीत पाई है। टीम को पहले खिताब की तलाश है। विराट कोहली के बाद टीम को अब तक कोई स्थायी कप्तान नहीं मिला है।

आईपीएल 2025 में टीम का कप्तान कौन होगा यह अब तक तय नहीं है। हालांकि रेस में विराट कोहली से लेकर युवा बल्लेबाज रजत पाटीदार जैसे नाम है।

विराट कोहली

विराट कोहली लंबे समय तक आरसीबी के कप्तान रहे हैं। वह टीम के सबसे पुराने खिलाड़ी हैं जो कि पहले सीजन से इस फ्रैंचाइजी के साथ थे। आईपीएल में कोहली ने 143 मैचों में ऋष्टक्क की कप्तानी की, जिनमें से टीम 66 मौकों पर विजयी रही। RCB के कप्तान के रूप में उनका जीत प्रतिशत 46.15 है। . विराट कोहली ने आईपीएल 2022 की शुरुआत से पहले ही RCB की कप्तानी छोड़ने कि पुष्टि कर दी थी।

विराट कोहली ने अपनी मर्जी से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि खिलाड़ी फिर से कप्तानी करना चाहता है।

रजत पाटीदार

आरसीबी अगर एक युवा खिलाड़ी पर भरोसा दिखाना चाहती है तो रजत पाटीदार के अच्छे दावेदार हैं। पाटीदार को आरसीबी की टीम ने 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया है जो कि दिखाता है कि फ्रैंचाइजी को खिलाड़ी पर कितना भरोसा है। रजत पाटीदार को कप्तानी का भी अनुभव है। उनकी कप्तानी में मध्य प्रदेश की टीम 13 साल बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में पहुंची थी। पाटीदार ने बतौर कप्तान 15 टी20 मैच खेला है। जहां 12 मैचों में उन्हें जीत हासिल हुई है।

भुवनेश्वर कुमार

आरसीबी की कप्तानी की रेस में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भी बड़े दावेदार है। 11 साल तक हैदराबाद के लिए खेलने वाले भुवनेश्वर को इस बार रिटेन नहीं किया गया। आईपीएल मेगा नीलामी में आरसीबी ने 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा। भुवनेश्वर कुमार के पास कप्तानी का अनुभव है। उन्होंने सनराइज़र्स हैदराबाद और उत्तर प्रदेश की टीमों की कप्तानी की है। इसके अलावा, उन्होंने रणजी ट्रॉफ़ी में भी कप्तानी की है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन:

नोवाक जोकोविच चोटिल, पहला सेट हारने के बाद सेमीफाइनल से हटे

मेलबर्न, एजेंसी। नोवाक जोकोविच चोटिल होने के कारण शुक्रवार को यहां अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल का पहला सेट हारने के बाद मैच से हट गए। जोकोविच ने पहला सेट टाईब्रेकर में 7-6 (5) से गंवा दिया था। इसके बाद

उन्होंने नेट के चारों ओर चक्कर लगाया और मैच से हटने का फैसला किया। इस तरह से ज्वेरेव फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। कार्लोस अल्कराज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान जोकोविच की पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उन्होंने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया और उसके बाद कोर्ट से बाहर चले गए। जोकोविच ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में अपने पैर में दर्द का जिक्र करते हुए कहा, 'यह और भी बदतर होता जा रहा था। मैं अगर पहलाा सेट जीत भी लेता तब भी मेरे लिए आगे खेलना मुश्किल होता। जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में थे।

वीरेंद्र सहवाग की शादी भी टूटने की कगार पर?

नईदिल्ली, एजेसी। भारतीय क्रिकेटरों के लिए पिछले कुछ महीने निजी तौर पर अच्छे नहीं गुजर रहे हैं. पिछले साल हार्दिक पंड्या का तलाक हुआ था. वहीं पिछले कुछ दिनों से लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा के भी अलग होने की खबरें लगातार आ रही हैं. अब ऐसा ही बड़ा दावा पूर्व दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को लेकर भी किया जा रहा है. एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सहवाग और उनकी पत्नी आरती का करीब 21 साल लंबा रिश्ता टूटने की कगार पर है और दोनों ही एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं.

वीरेंद्र सहवाग और आरती की शादी 2004 में हुई थी लेकिन अब करीब 21 साल के बाद दोनों का रिश्ता टूटता हुआ दिख रहा है. दोनों ने ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर लिया है. यहां तक कि सहवाग की हालिया पोस्ट और अपडेट्स में भी पत्नी के साथ कोई तस्वीर नहीं आई है. यहां तक कि दीवाली में भी उन्होंने सिर्फ बच्चों और मां के साथ फोटो पोस्ट की थीं, जबकि उनकी पत्नी नहीं दिखी थी.

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सहवाग और उनकी पत्नी आरती पिछले कुछ वक्त से अलग रह रहे हैं और जल्द ही दोनों का तलाक भी होना तय है. सहवाग और आरती के दो बेटे हैं- आर्यवीर और वेदांत. उनके दोनों बेटे भी क्रिकेट में सक्रिय हैं. इतने सालों में कभी भी दोनों के रिश्ते को लेकर किसी तरह की खबरें नहीं आई थी और अक्सर दोनों साथ दिखते थे लेकिन रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि पिछले कुछ वक्त से इस रिश्ते में तनाव आ गया था, जिसके चलते अब दोनों की राहें अलग होती हुई दिख रही हैं.

परिवार नहीं था राजी, फिर ऐसे हुई शादी

टीम इंडिया के लिए 1999 में अपना इंटरनेशनल करियर शुरू करने वाले वीरेंद्र सहवाग ने अप्रैल 2004 में आरती अहलावत से शादी की थी. दोनों की ये लव मैरिज थी, जिसको लेकर परिवारों में सहमति नहीं थी. इसकी वजह दोनों परिवारों में दूर की रिश्तेदारी थी. हालांकि किसी तरह दोनों ने अपने-अपने परिवारों को शादी के लिए राजी किया और फिर तत्कालीन केंद्रीय मंत्री रहे अरुण जेटली के आवास पर दोनों की शानदार अंदाज में शादी हुई थी. इस शादी ने खूब चर्चा बटोरी थी. उनकी शादी मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ लगाए तिहरे शतक के एक महीने के अंदर हुई थी, जिसके चलते हर किसी की ओर इसका ध्यान ज्यादा था.

राष्ट्रीय रिकॉर्ड दोबारा तोड़ना और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर (कर्नाटक), एजेंसी। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ट्रिपल जम्प खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल महाद्वीपीय खेलों में एक बार फिर पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं लेकिन उनका लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे।

तमिलनाडु का यह खिलाड़ी 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। भारत के ही एलधोस पॉल (17.03 मीटर) और अब्दुल्ला अबुबाकर (17.02 मीटर) ने इस स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता था। प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जबकि वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहते हैं।

यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूफ ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) में ट्रेनिंग कर रहे प्रवीण ने विशेष साक्षात्कार में कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, सब कुछ। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक गंवा दिया था। मेरे पास एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक है। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि मैं एशियाई खेल (आइची-नागोया 2026) में पदक जीतूंगा लेकिन मैं राष्ट्रमंडल खेलों (2026 में) में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता।

राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। तेइस साल के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं।

पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी का खुलासा... 'गौतम गंभीर मुझे बिना वजह डांटते थे, गाली भी देते थे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर और पूर्व भारतीय खिलाड़ी मनोज तिवारी के बीच पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। साल 2015 में दिल्ली और बंगाल के बीच रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान दोनों के बीच काफी कहासुनी हो गई थी। मनोज तिवारी ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि यह कोई अकेली घटना नहीं थी। जब वह और गौतम गंभीर

कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा थे, उस दौरान भी कई बार ऐसी घटनाएं हुई थीं, जिसकी परिणति 2015 में हुई थी। मनोज तिवारी ने बात करते हुए कहा, 'मुझे बिना किसी कारण के डांटा जाता था।

मुझे समझ में नहीं आता था कि वह मुझे क्यों निशाना बनाते हैं। जब मैं 2010 में केकेआर (कोलकाता नाइट राइडर्स) में आया तब वह और मैं अच्छे से घुलमिल गए थे। लेकिन फिर वह अचानक मुझ पर अपना आपा खो देते थे। वह बहुत ही आहत करने वाले शब्दों का इस्तेमाल करते थे। मां-बहन की गाली देते थे। फिर, जब मैंने इसके बारे में सोचना शुरू किया, तो मुझे अहसास हुआ कि केकेआर के सभी स्थानीय लड़कों में से मैं ही एक ऐसा था जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करता था। चूंकि मैं एक होनहार युवा था, इसलिए मीडिया मुझे तवज्जो दे रहा था। शायद यही वजह हो कि मेरे प्रति उनकी प्रतिक्रिया अच्छी नहीं होती थी।

मुंबई छोड़ने वाले बयान पर क्या अनुराग कश्यप ने लिया यू-टर्न

कुछ दिन पहले अनुराग कश्यप ने कहा था कि उनमें अब लड़ने की ताकत खत्म हो गई है। वह बॉलीवुड वालों से परेशान हैं इसलिए अब मुंबई छोड़कर साउथ में बस जाएंगे। इस फैसले के पीछे अनुराग ने कई कारण गिना दिए थे। हाल ही में अनुराग कश्यप ने अपने मुंबई छोड़ने वाले बयान पर एक नई बात कह दी है। वह मुंबई को अपनी कर्म भूमि बता रहे हैं। तो क्या अब वह मुंबई नहीं छोड़ने वाले हैं? क्या कहा है, अपने नए बयान में अनुराग कश्यप ने।

अनुराग ने नए बयान में क्या कहा

हाल ही में अनुराग कश्यप को फिल्म 'सत्या' की री रिलीज की स्क्रीनिंग पर देखा गया। इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए अनुराग ने मुंबई छोड़ने वाले अपने बयान पर फिर से बात की। वह कहते हैं, 'हां, मैं जा रहा हूं, बाहर रहूंगा लेकिन कर्म भूमि तो यही है। बस मेरी रहने वाली जगह अब अलग होगी।' इस तरह से अनुराग ने साफ कर दिया कि वह मुंबई तो पक्का छोड़ रहे हैं लेकिन बॉलीवुड में फिल्में करते रहेंगे। अनुराग के लिए हमेशा ही मुंबई, बॉलीवुड उनकी कर्मभूमि रहेगी।

क्या है डायरेक्टर की नाराजगी की वजह

अनुराग कश्यप बॉलीवुड से इसलिए नाराज है कि उन्हें अपने हिसाब से काम करने को नहीं मिल रहा है। साथ ही उनकी पांच फिल्में भी अटकी पड़ी हैं। पिछले दिनों अनुराग ने इस बारे में भी बताया था। दरअसल, साल 2023 में अनुराग की फिल्म 'कैनेडी' को कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था, जहां इसकी काफी तारीफ हुई। लेकिन तब से यह फिल्म रिलीज नहीं हुई है। इस बात का अनुराग को दुख है। वह कहते हैं, 'मैंने पांच फिल्में बनाई है, जो अब तक रिलीज नहीं हो पाई हैं। 'कैनेडी' फिल्म तो ऐसे लोगों के पास है, जिन्होंने आजतक फिल्म नहीं बनाई। स्टूडियो वाले कहते हैं कि आप अपनी हिस्सेदारी बढ़ाओ, पैसा कमाओ और मुनाफा लाओ।'

स्टार के बिहेवियर से भी दिक्कत

पिछले दिनों मुंबई छोड़ने के अपने बयान के साथ ही अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड के वर्किंग कल्चर, स्टार के बिहेवियर पर भी बात की थी। अनुराग ने कहा– 'हिंदी फिल्मों में हर एक्टर को स्टार ट्रीटमेंट चाहिए। ऐसे में फिल्में बनाना काफी मुश्किल हो जाता है। जबकि साउथ इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है, बड़े से बड़ा एक्टर फिल्म के बाकी लोगों की तरह ही खुद को ट्रीट करता है।' इन दिनों अनुराग साउथ फिल्मों में एक्टिंग भी कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पॉपुलैरिटी में श्रद्धा कपूर नंबर वन

बॉलीवुड के सितारों को दुनियाभर में पसंद करने वाले लाखों–करोड़ों लोग हैं। उनके फैंस सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे जुड़े रहते हैं और उनसे जुड़ी हर छोटी–बड़ी अपडेट यहीं से प्राप्त करते हैं। स्टार्स और फैंस के बीच सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक पुल का काम करता है। पॉपुलैरिटी के मामले में इन स्टार्स के बच्चे भी किसी से कम नहीं हैं, सोशल मीडिया पर इन्होंने भी अपनी तगड़ी फैन फॉलोइंग जुटा रखी है। आइए जानते हैं बॉलीवुड के स्टार किड्स के सोशल मीडिया पर कितने फॉलोअर्स है।

श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा कपूर ने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना ली है। अपनी अदाकारी और खूबसूरती के दम पर उन्होंने लाखों फैंस बनाए हैं। श्रद्धा के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की बात करें तो उनके 94.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं। 'स्त्री 2' के रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर तेजी के साथ उनके प्रशंसक बढ़ें हैं।

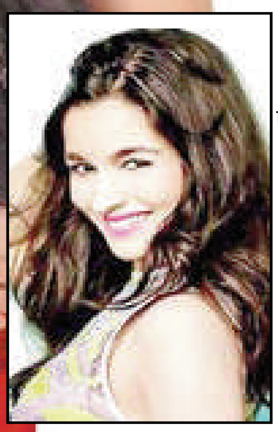

आलिया भट्ट

आलिया भट्टी की गिनती आज बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अभिनेत्री ने इंडस्ट्री में महेश भट्ट की बेटी के पहचान के साथ कदम रखा था, लेकिन अपनी मेहनत और एक्टिंग के दम पर अपनी पहचान बनाई। आज आलिया भट्ट के लाखों–करोड़ों चाहने वाले हैं। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने कुल 86.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

वरुण धवन

वरुण धवन भी आज बॉलीवुड इंडस्ट्री के जाने–माने अभिनेताओं में गिने जाते हैं। डेविड धवन के बेटे वरुण धवन ने भी सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग जुटाई है। अभिनेता के इंस्टाग्राम पर 46.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सारा अली खान

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान के भी सोशल मीडिया पर काफी चाहने वाले हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 45.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

जान्हवी कपूर

दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी जान्हवी कपूर ने भी इंडस्ट्री में खुद को लगभग स्थापित कर लिया है। अभिनेत्री के सोशल मीडिया पर लाखों दीवाने हैं। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 26 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सुहाना खान और आर्यन खान

शाहरुख खान के बेटी सुहाना खान और उनके बेटे आर्यन खान के भी सोशल मीडिया पर फॉलो करने वालों की काफी संख्या है। सुहाना के इंस्टाग्राम पर 6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। आर्यन की बात करें तो उनके 3.1 मिलियन फॉलोअर्स इंस्टाग्राम पर हैं।

राशा थडानी

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी की डेब्यू फिल्म 'आजाद' हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। राशा के इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की बात करें तो यह 2 मिलियन हैं।

ईशान खट्टर, खुशी कपूर और इब्राहिम अली खान

शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर के इंस्टाग्राम पर 1.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। श्रीदेवी की छोटी बेटी और जान्हवी कपूरी की बहन खुशी कपूर के 1.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वहीं, सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के 1.2 मिलियन फॉलोअर्स इंस्टाग्राम पर हैं।

कार्तिक आर्यन की फिल्म में कैमियो करेंगे ये जवानी है दीवानी के सितारे!

कार्तिक आर्यन ने अपनी अगली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की घोषणा कर दी है, जिससे प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। वैसे, निर्माताओं ने अभी तक मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री की घोषणा नहीं की है। हालांकि, खबर आ रही है कि में शरवरी वाघ मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। वहीं, इस बीच फिल्म के कलाकारों को लेकर एक और दिलचस्प खबर आ रही है।

इन सितारों का फिल्म में होगा कैमियो

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में ये जवानी है दीवानी के सितारे कैमियो करते नजर आएंगे। सभी मुख्य कलाकार एक खास भूमिका के लिए फिल्म में शामिल होंगे। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी है और ये जवानी है दीवानी की तर्ज पर है। ऐसे में निर्माता विशेष प्रस्तुतियों के लिए मूल सितारों को लाने पर विचार कर रहे हैं।

इन मुद्दों पर काम कर रहे निर्माता

रिपोर्ट्स में आगे यह भी बताया गया है कि भले ही ये जवानी है दीवानी के सभी मुख्य कलाकार उपलब्ध न हों, लेकिन निर्माताओं ने उनमें से दो को इसका हिस्सा बनाने की कोशिश करेंगे। यह एक दिलचस्प कैमियो होगा, जो फिल्म को और खास बनाएगा। फिल्म में उन सितारों का कैमियो इस बात पर निर्भर करता है कि उन कलाकारों की तारीखें मेल खानी चाहिए। साथ ही लेखन प्रक्रिया के दौरान इस बात पर खास ध्यान दिया जाएगा कि उन सितारों का फिल्म में सहज परिचय होना चाहिए, न कि जबरदस्ती की भूमिका होनी चाहिए। इन सभी मुद्दों पर टीम ध्यान दे रही है।

आधिकारिक घोषणा का इंतजार

रणबीर कपूर, दीपिका पादुकोण, आदित्य रॉय कपूर और कल्कि केकलां निर्देशक समीर विद्वांस की फिल्म में अपने किरदारों को फिर से जीवंत करने की उम्मीद कर रहे हैं। इस बारे में ज्यादा कुछ साझा नहीं किया गया है, लेकिन इस खबर ने प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। हाल ही में ये जवानी है दीवानी भी सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई है, जिसके बाद से इस फिल्म की यादें ताजा हो गई हैं। हालांकि, इन सितारों का तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में कैमियो होने की खबर पर फिलहाल आधिकारिक मुहर लगनी बाकी है।

तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के बारे में बात करते हुए कार्तिक आर्यन ने एक प्रोमो वीडियो के साथ अगली रोमांटिक–कॉम की घोषणा की। कार्तिक आर्यन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर करण जौहर की प्रतिक्रिया साझा की, जिसमें लिखा था, टपर शुभ मुहूर्त का समय निकला जा रहा है रे... रूमी का बेसब्री से इंतजार है। इस पर कार्तिक ने जवाब दिया, इतना आसानी से थोड़ी मुंह दिखाई हो जाएगी।

इस प्रतिभागी को जीतते देखना चाहती हैं शिल्पा शिरोडकर

चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 18 दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के बाद विदा ले रहा है। आज शो के विनर का पता चल जाएगा। दर्शकों की धड़कनें तेज हैं। सभी अपने-अपने पसंदीदा प्रतिभागी की जीत के लिए दुआ कर रहे हैं। शो के शीर्ष छह प्रतियोगी दौड़ में हैं। इनके नाम हैं- अविनाश मिश्रा, ईशा सिंह, चुम दरांग, विवियन डीसेना, करण वीर मेहरा और रजत दलाल। शो के इस सीजन में बतौर प्रतिभागी आईं अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर किसे ट्रॉफी पाते देखना चाहती हैं। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है।

इस प्रतिभागी का लिया नाम

इस बार के सीजन में शिल्पा शिरोडकर ने भी दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। हालांकि, अब वे शो से बाहर हैं। मगर, आज फाइनल मुकाबले के दौरान वे भी मौजूद रहेंगी। हाल ही में जियो सिनेमा के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया गया है। इसमें शिल्पा कहती दिख रही हैं कि वे करण वीर मेहरा को जीतते हुए देखना चाहती हैं।

शिल्पा ने फैंस का जताया आभार

वीडियो में शिल्पा कहती दिख रही हैं, मैं हूं शिल्पा शिरोडकर। फाइनली, फिनाले का दिन है। मैं जा रही हूं फिनाले के लिए बिग बॉग के सेट पर। मेरे हिसाब से मेरा विनर है करण वीर मेहरा। आपको क्या लगता है? आप भी बताइए। आप सभी ने हमें जो प्यार और इज्जत दी उसके लिए सभी का बहुत–बहुत शुक्रिया।

विजेता को क्या मिलेगा?

शिल्पा के पोस्ट पर यूजर्स के कमेंट की झड़ी लग गई है। करण वीर के बाद यूजर्स सबसे ज्यादा विवियन और रजत दलाल का लिख रहे हैं। विजेता की किस्मत का फैसला अब चंद घंटों में होने वाला है। कथित तौर पर विजेता के नकद पुरस्कार के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, जो पिछले सीजन की तरह ही 50 लाख रुपये होने की उम्मीद है। ट्रॉफी के बाद विनर को यह राशि मिलेगा।

अजय अंकल की भगत सिंह देखकर हुआ सिनेमा से प्यार, उनकी तरह आंखों से करना चाहता हूं एक्टिंग

बॉलीवुड में नए साल में कई नए एक्टर्स अपने टैलंट के रंग भरने आ रहे हैं। इन्हीं से एक हैं, सुपरस्टार अजय देवगन के भांजे अमन देवगन। अमन निर्देशक अभिषेक कपूर की पीरियड ड्रामा फिल्म आजाद से अपनी फिल्मी पारी शुरू कर रहे हैं।

आप फिल्मी परिवार में पले–बढ़े हैं, लेकिन सिनेमा में ही करियर बनाना है, यह कब तय किया?

ऐसा कोई एक टर्निंग प्वाइंट नहीं था। जब आप एक फिल्मी परिवार में पैदा होते हैं तो माहौल ही ऐसा होता है कि हर वक्त फिल्मों की बातें होती हैं। हालांकि, मुझे याद है कि जब मैंने अंकल (अजय देवगन) की द लेजेंड ऑफ भगत सिंह देखी थी, तब मुझ पर उनकी परफॉर्मेंस का बहुत असर हुआ था। मैं तब बहुत छोटा था और ऐक्टिंग के बारे में ज्यादा समझ नहीं थी, फिर भी जब वे आए थे, मैंने उनसे पूछा था कि आपका कॉस्ट्यूम कहां है? तब मुझे ऐक्टिंग के प्रति आकर्षण महसूस हुआ। फिर, 10वीं पास करने के बाद 15–16 साल की उम्र में मुझे अहसास हो गया कि मुझे ऐक्टिंग ही करना है और मैंने ऐक्टर बनने के लिए जो भी चीजें जरूरी हैं, कोर्स, वर्कशॉप, वह सब करना शुरू किया।

फिल्म में आपके मामा अजय देवगन आपके को–स्टार भी हैं। उनके साथ शूट करने का अनुभव कैसा रहा? और बतौर ऐक्टर और इंसान आप उनकी कौन सी खूबियां अपनाना चाहेंगे?

अंकल के साथ पहले दिन शूट करते वक्त मैं बहुत नर्वस था। मैं बहुत डरा हुआ था, क्योंकि मैं भूल गया था कि वह मेरे अंकल हैं। तब मुझे सुपरस्टार अजय देवगन नजर आ रहे थे, मगर हम ऐक्टर्स के कुछ पैंतरे होते हैं। मैंने थोड़ा ध्यान लगाया, अपने किरदार को पकड़ा और उनको किरदार के तौर पर ही देखा। रही उनकी खूबियों की बात, तो ऐक्टर के तौर पर उनमें एक इंटेंसिटी, एक ठहराव है। वह जिस तरह आंखों से ऐक्टिंग करते हैं, उसका कायल पूरा देश है। मैं खुद भी अपने अंदर यह खूबी लाना चाहूंगा। वहीं, इंसान के रूप में वह बहुत ही प्यारे हैं। इंडस्ट्री में बहुत से लोग उन्हें बॉस कहकर बुलाते हैं, क्योंकि उन्होंने वह सम्मान कमाया है। लोग उनकी बहुत इज्जत करते हैं। वह अपने परिवार को बहुत समय देते हैं। उनका मी टाइम परिवार के साथ वक्त बिताना है। ऐसी बहुत सी क्वॉलिटीज हैं, जो मैं अपनाना चाहूंगा।

आपकी फिल्म आजाद एक पीरियड ड्रामा है। उस दौर की कहानी है, जो आपने देखी नहीं है, तो उस दुनिया का हिस्सा बनना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

सच कहूं तो पहली फिल्म के लिहाज से यह किरदार बहुत चैलेंजिंग था। हम जेन॑ बच्चे हैं। 2025 में मुंबई जैसे महानगर में रहते हैं। जबकि, यह पीरियड फिल्म है। मेरे किरदार का सोशल स्टेटस भी बहुत अलग है। वह घोड़े की देखभाल करने वाला लड़का है। हमारी बोली भी बिल्कुल अलग थी। हमें बुंदेलखंडी बोलनी थी, जिसके लिए हमारी बहुत सारी क्लासेज हुईं, पर फिल्म में मेरे लिए जो सबसे बड़ा चैलेंज था, वो था मेरा कोस्टर–आजाद, जो एक घोड़ा है। वह ऐक्टर नहीं है कि सेट पर आकर लाइन बोलेगा, तो मुझे उसकी एनर्जी पढ़कर उसके हिसाब से सीन को इंप्रोवाइज करना था। इसलिए, मैंने उसके साथ बहुत वक्त बिताया। मैं उसके साथ दो–दो दिन अस्तबल में सोता था। उसको खाना खिलाता था, नहलाता था। उसकी पॉटी भी साफ करता था, ताकि हमारा एक बॉन्ड और कनेक्शन बन जाए। फिर भी, उसके साथ सीन करना आसान नहीं था, क्योंकि वह कभी भी कुछ भी करता था। कभी हिल जाता था, कभी काटने आ जाता था, तो वह काफी चैलेंजिंग था।

फिल्मी परिवार से होने के नाते उस विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी या दबाव महसूस करते हैं?

बिल्कुल, यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। जब आप एक ऐसी लिगेसी का हिस्सा बनते हैं, जिसका इतना बड़ा नाम है तो उसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होती ही है। इस विरासत को मेरे नाना जी (वीरू देवगन) ने बतौर ऐक्शन डायरेक्टर शुरू किया था। वह पंजाब से मुंबई आए थे, तब उनके पास कुछ नहीं था। वह टैक्सी में सोते थे। उन्होंने लाइटमैन का भी काम किया है और फिर यह विरासत बनाई, जिसे अंकल अजय देवगन ने भी बहुत आगे बढ़ाया तो दबाव बहुत ज्यादा है लेकिन मेरा मानना है कि अगर मैं उस दबाव को बहुत ज्यादा दिल पर ले लूंगा तो अपना काम अच्छे से नहीं कर पाऊंगा। मेरा काम खूब मेहनत करना है, अपने टैलंट पर काम करना है और वह मैं करता रहूंगा।

आपकी पहली फिल्म रिलीज भी नहीं हुई है, मगर दूसरी फिल्म झलक की घोषणा हो गई। आपको नहीं लगता कि यह फिल्मी परिवार से होने का फायदा है?

मैं जितनी ईमानदारी से संभव है, आपको जवाब दूंगा। यह प्रिविलेज निश्चित तौर पर है, मगर हम ऐसे वातावरण में पलते–बढ़ते हैं, जहां बचपन से फिल्में ही देखते हैं। सिनेमा की बातें सुनते हैं तो यह एक बच्चे का सिनेमा के लिए मासूम प्यार होता है कि बड़े होने पर हमें लगता है कि हमें भी यह करना है, क्योंकि हम बचपन से यही देखते आ रहे हैं। बाकी, आखिर में ऑडियंस ही तय करेगी कि आप रहेंगे या नहीं, क्योंकि कोई भी निर्माता आप पर पैसे नहीं लगाएगा, अगर ऑडियंस आपको पसंद नहीं करेगी तो आखिर में ऑडियंस ही राजा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401